भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड, आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 139 | मुरैना, गुरूवार 27 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

शिवपुरी में धूमधाम से निकला जुलूस, जगह-जगह फूलमालाओं से हुआ भव्य स्वागत..
पेज : 03

रक्षाबंधन : देह से ऊपर संस्कार से युक्त भारतीय मर्यादा का उत्सव
पेज : 04

भिण्ड के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए हर संघर्ष करने को तैयार रहूंगा : रामशेष
पेज : 06

चम्बल औद्योगिक प्रगति से बना रहा है नई पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव
पेज : 07

दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

नई दिल्ली, 26 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है। इसी सोच और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह पहल महिलाओं को 2,500 प्रति माह की सीधी आर्थिक सहायता देगी, जिससे उनकी गरिमा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बांधी स्नेह और विश्वास से भरी राखियां

मुख्यमंत्री ने दोहराया प्रदेश की हर बहन की खुशहाली का संकल्प

महिला सुरक्षा कर्मियों ने भी बांधी राखी

मुख्यमंत्री को धन्यवाद पत्र भी भेंट किया लाड़ली बहनों

भोपाल (निज संवाददाता)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ग्वालियर की लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्नेह और विश्वास से भरी राखियाँ बांधी। इन राखियों के पवित्र धागों ने जहां भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को भावुक बनाया, वहीं प्रदेश की हर बहन के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और खुशहाली के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्प को और मजबूत किया। रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप लाडली बहना योजना के तहत अतिरिक्त धनराशि देने के लिए ग्वालियर की लाडली बहनों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद पत्र भी भेंट किया। ग्वालियर विमानतल पर तैनात सीआईएसएफ की दो महिला सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखियां बांधीं तो अत्यंत भावनात्मक दृश्य सामने आया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के माथे पर लाड़ली बहनों ने रोली का तिलक लगाकर राखी बांधी मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। इस आत्मीय क्षण में उन्होंने कहा कि बहन और भाई का रिश्ता केवल एक पर्व तक सीमित नहीं है, यह जीवनभर के स्नेह, विश्वास और जिम्मेदारी का रिश्ता है। राखी का यह पवित्र धागा हमें निरंतर याद दिलाता रहेगा कि मध्यप्रदेश की प्रत्येक बहन उनके परिवार का हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की हर बहन के चेहरे पर मुस्कान हो, बेटियां सुरक्षित रहें, आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को पूरा करते हुए आगे बढ़ें, इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।

लाड़ली बहनों के विश्वास और मुख्यमंत्री की आत्मीयता से रक्षाबंधन का यह अवसर स्नेहिल भावनाओं से भर उठा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भिंड जिले के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में गोदरेज की चौथी यूनिट का शुभारंभ करने आए थे। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ट्रांजिट विजिट पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल के साथ ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पहुंचे थे। इस अवसर पर कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष श्री केशव सिंह बघेल, जीडीए के अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिंह भदौरिया, महर्षि पतंजलि बोर्ड के अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

एयर टर्मिनल पर तैनात महाराष्ट्र निवासी सुश्री रासकर अश्विनी और राजस्थान निवासी सुश्री पूनम यादव इस बार रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं जा पा रही हैं। अपनों से दूर होने की कसक उनके मन में थी, लेकिन मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते ही उनकी आंखें नम हो गईं। दोनों ने भावुक होकर कहा मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर्व पर हमें भाई की कमी महसूस नहीं होने दी।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने मिलाद-उन-नबी और ओणम पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 26 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'एक्स' संदेश में मिलाद-उन-नबी और ओणम के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने दोनों पर्वों के माध्यम से समाज में एकता, आनंद, दयालुता और समृद्धि की भावना को और मजबूत करने की कामना की।

उन्होंने मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर सभी के बीच एकता और आनंद की भावना को बढ़ाए। उन्होंने कामना की कि दयालुता और समाज के प्रति योगदान की भावना सदैव सभी का मार्गदर्शन करती रहे। उन्होंने लिखा, ''ईद मुबारक! मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को ओणम की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक जीवंत त्योहार है, जिसे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने प्रार्थना की कि ओणम समाज में खुशी, एकता और समृद्धि की भावना को और बढ़ावा दे।

दशनामी अखाड़ा मंदिर से बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए पवित्र छड़ी यात्रा रवाना

पुंछ, 26 अगस्त (हि.स.)। पुंछ नगर स्थित प्राचीन दशनामी अखाड़ा मंदिर से बुधवार को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए भगवान शिव और देवी पार्वती के स्वरूप के प्रतीक पवित्र छड़ी यात्रा निकाली गई। दशनामी अखाड़ा राज गुरु गद्दी के वर्तमान महन्त महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती महाराज की अगुवाई में 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बम बम बोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ भाग लिया।

सबसे पहले पवित्र छड़ी का वैदिक मंत्रों के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया, जिसके उपरांत पवित्र छड़ी को दशनामी अखाड़ा मंदिर के बाहर लाया गया, तो वहां पर जम्मू कश्मीर पुलिस की तरफ से पुलिस बैंड की धुन पर छड़ी को सलामी दी गई। इसके बाद छड़ी यात्रा बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गई।

छड़ी यात्रा में उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र चौधरी सहित कई बड़े नेता, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहे। यह छड़ी यात्रा देर शाम को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर पहुंचेगी, जहां पर एक बार फिर पुलिस की तरफ से सलामी देने के उपरान्त छड़ी का पूजन कर उसे भगवान भोलेनाथ के स्वयंभू शिवलिंग पर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में तीन दिवसीय रक्षा बंधन, दर्शन, पूजन और मेले का शुभारंभ किया जाएगा।

11 हजार किमी के 7 हाईडेंसिटी रेलमार्ग होंगे फोरलेन: रेल मंत्री

नई दिल्ली, 26 अगस्त (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने देश के सात हाई डेंसिटी रेल मार्गों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम तेज किया है। करीब 11 हजार किलोमीटर में फैले ये सात मार्ग भारतीय रेल के कुल यातायात का लगभग 41 प्रतिशत संभालते हैं, जबकि ये पूरे रेल नेटवर्क के करीब 16 प्रतिशत हिस्से में आते हैं। इन अत्यधिक व्यस्त मार्गों पर अतिरिक्त रेल लाइनें विकसित कर इन्हें चारलेन करने की योजना है, जिससे बढ़ते यात्री और माल यातायात को सुगमता से संचालित किया जा सके।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर देश के सात हाई-डेंसिटी रेलवे रूट को फोर-लेन करने की योजना का खाका सामने रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे पूरे हाई डेंसिटी नेटवर्क को चार लाइन वाला बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

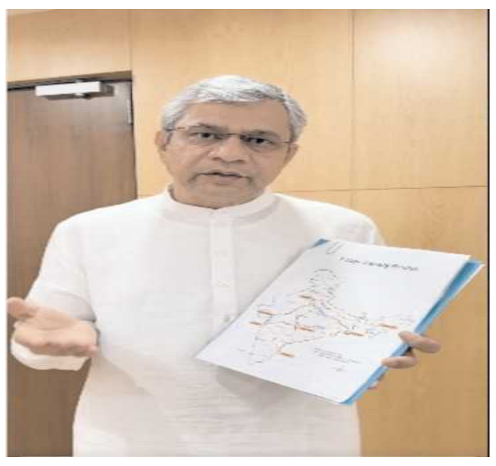

इसका उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर क्षमता बढ़ाने के साथ अधिक ट्रेनों का संचालन करना, भीड़भाड़ कम करना और यात्री एवं माल परिवहन को तेज करना है। वैष्णव के अनुसार, इन सात हाई डेंसिटी मार्गों में दिल्ली-हावड़ा, हावड़ा-चेन्नई, चेन्नई-मुंबई, मुंबई-दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-हावड़ा और दिल्ली-गुवाहाटी शामिल हैं। इन मार्गों में दिल्ली, मुंबई, वडोदरा, नागपुर, हावड़ा, चेन्नई और गुवाहाटी जैसे प्रमुख रेल केंद्र जुड़े हैं। इन रूटों पर कुछ हिस्सों में चार लाइन की व्यवस्था पहले से मौजूद है, जबकि कुछ हिस्सों के विस्तार को मंजूरी मिल चुकी है और कुछ परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने या उनका मूल्यांकन करने का काम चल रहा है। रेल मंत्री ने रेल परिवहन के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन की तुलना में रेल करीब 90 प्रतिशत अधिक पर्यावरण अनुकूल है। माल ढुलाई की औसत लागत भी रेल में सड़क के मुकाबले काफी कम है। रेल से माल ढुलाई की लागत करीब 1.6 रुपये प्रति टन प्रति किलोमीटर आती है, जबकि सड़क परिवहन में यह करीब 3.6 रुपये प्रति टन प्रति किलोमीटर है। वैष्णव ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ लॉजिस्टिक्स की लागत कम करना और परिवहन व्यवस्था को अधिक हरित बनाना जरूरी है। ऐसे में महत्वपूर्ण हाईडेंसिटी कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। इन मार्गों का विस्तार देश के प्रमुख औद्योगिक, वाणिज्यिक और महानगरीय क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने के साथ भविष्य में बढ़ने वाले यात्री और माल यातायात की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से की बात, बाढ़ में जनहानि पर जताया दुख

नई दिल्ली, 26 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए हर संभव मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय दल नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

'जय जगन्नाथ' पर विवाद गहराया, गोवर्धन मठ के शंकराचार्य ने एनिमेटेड चित्रण पर उठाए सवाल

भुवनेश्वर, 26 अगस्त (हि.स.)। भगवान जगन्नाथ पर प्रस्तावित एनिमेटेड फिल्म और सीरियल 'जय जगन्नाथ' को लेकर विवाद बढ़ गया है। पुरी स्थित गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने भगवान जगन्नाथ के कथित विकृत चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताई है।

गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव के आवासीय कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शंकराचार्य ने भुवनेश्वर की एली एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की जा रही एनिमेटेड प्रस्तुतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। इसके बाद मुक्तिमंडप पंडित सभा ने शंकराचार्य के निर्णय से गजपति महाराजा को अवगत कराया।

शंकराचार्य ने कहा कि शास्त्रों में वर्णित भगवान जगन्नाथ के 'दारु ब्रह्म' स्वरूप को विकृत तरीके से प्रस्तुत करना धार्मिक परंपराओं के प्रति गंभीर आपत्ति का विषय है। उन्होंने कहा कि सनातन धार्मिक परंपराओं में देवी-देवताओं के स्वरूप और उनकी लीलाओं को असत्यापित या विकृत रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पंचकृत्य–सृष्टि, स्थिति, संहार, तिरोधान और अनुग्रह को दैवी सिद्धांतों का मूल बताते हुए कहा कि इनसे जुड़ी धार्मिक परंपराओं के प्रति असम्मानजनक प्रस्तुति उचित नहीं है।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो हकदार नहीं थे: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 26 अगस्त (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे! '

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

एमपीएससी पेपर लीक मामले में तीन अधिकारियों समेत 6 गिरफ्तार

मुंबई, 26 अगस्त (हि.स.)। महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) के ड्रग इंस्पेक्टर पेपर लीक मामले में क्राइम ब्रांच ने बुधवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में एमपीएससी के तीन अधिकारी, एक कर्मचारी, एक परीक्षार्थी के रिश्तेदार और पेपरलीक मामले का कथित मास्टरमाइंड शामिल है। इस मामले की छानबीन मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस कर रही है। जांच में शामिल पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि इस मामले में एमपीएससी के अपर सचिव अभिजीत लेंडवे को भी गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा असिस्टेंट सेल अधिकारी गोपाल मराठे और विश्ववर नकाटे को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परीक्षार्थी ऋतुजा पाटिल के पिता अमृत पाटिल तथा पेपर लीक के कथित मास्टरमाइंड प्रवीण पाटिल को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पेपर लीक का आरोप लगाने वाले गौरव पाटिल की भूमिका भी जांच के दायरे में है। ड्रग इंस्पेक्टर पद की परीक्षा का प्रश्नपत्र 20 मार्च 2026 को कुछ परीक्षार्थियों तक पहुंच गया था। इसके बाद महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया को रद्द करने का निर्णय लिया। आरोप है कि पेपर लीक के पीछे निजी संबंधों से जुड़ा विवाद भी एक कारण रहा। उल्लेखनीय है कि एमपीएससी ने 22 मार्च 2026 को राज्य के छह संभागीय मुख्यालयों पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में ड्रग इंस्पेक्टर, ग्रुप-बी पद के लिए ऑफलाइन परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा के बाद 12 जून को परिणाम घोषित किए गए, जिसमें 506 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए पात्र घोषित किया गया।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी'', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com Website -https//sachtimes.in, https//sachtimes.in/epaper/

07 सितंबर को मुरैना में होगा चंबल संभाग का विशाल वैश्य महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह

मुरैना (निज संवाददाता)। वैश्य समाज की एकता, सामाजिक समरसता एवं समाजसेवियों के सम्मान के उद्देश्य से वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा 07 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे गर्ग सेवा सदन, जीवाजी गंज, मुरैना में चंबल संभाग स्तरीय विशाल वैश्य महासम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुरैना की पावन भूमि लंबे समय से वैश्य समाज की एकता एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए अपनी विशेष पहचान रखती है। इसी क्रम में लंबे अंतराल के बाद आयोजित होने वाले इस महासम्मेलन में मुरैना, भिंड, श्योपुर एवं दतिया सहित चंबल संभाग की सभी तहसीलों से वैश्य समाज के महिला, पुरुष एवं युवा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के जिला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं विभिन्न दायित्वों को लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। महासम्मेलन में समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों एवं विशिष्ट व्यक्तियों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष माननीय सुधीर अग्रवाल जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया जाएगा। इसमें प्रदेश एवं चंबल संभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजकों ने चंबल संभाग के सभी जिलों एवं तहसीलों के वैश्य महासम्मेलन के महिला, पुरुष एवं युवा पदाधिकारियों से अपील की है कि वे अपनी-अपनी कार्यकारिणी के साथ महासम्मेलन में उपस्थित होकर समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने में सहभागी बनें।

स्थानः गर्ग सेवा सदन, जीवाजी गंज, मुरैना
दिनांकः 07 सितंबर 2026
समयः दोपहर 12 बजे.

हम फाउंडेशन संस्कृति शाखा मुरैना ने मनाई हरियाली तीज

कर्मचारी सुहागिन महिलाओं का किया भव्य सम्मान

मुरैना (निज संवाददाता)। हम फाउंडेशन संस्कृति शाखा मुरैना ने बड़े ही धूमधाम तथा हर्षोल्लास के साथ हरियाली तीज महोत्सव मनाया ये आयोजन महाराजा होटल में किया गया जिसमें कर्मचारी महिलाओं का भव्य सम्मान भी किया गया इस अवसर पर पुलिस विभाग से सीता शर्मा जी का भव्य स्वागत बंदन अभिनंदन किया गया वहीं हम फाउंडेशन (फाउंडर)प्रदेश वाल युवा संयोजक ललिता दीक्षित,वाल युवा कल्याण जया मित्तल,प्रांतीय संस्कृति सेवा संयोजक राधा राजौरिया, प्रान्तीय महिला सहभागिता दया शर्मा,जिला अध्यक्ष प्रेरणा गुप्ता,अध्यक्ष मनीषा भारद्वाज,उपाध्यक्ष प्रीति दीक्षित,सचिव रेखा गुप्ता, कोषाध्यक्ष आराधना उपाध्याय,जिला महिला सहभागिता प्रीति गुप्ता, विनयश्री शर्मा,प्रीति शर्मा, रश्मि सिकरवार, दीप्ती, नीलम, गीता, कर्मचारी उर्मिला,सुनीता सहित कई महिलाएं मौजूद थी।

280 करोड़ के मेडिकल कॉलेज पर सियासी संग्राम

भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

भाजपा ने कलेक्टर से मांगी उच्चस्तरीय जांच

कांग्रेस का पटेल चौक पर धरना; 20 करोड़ के अधूरे कार्यों का आरोप, दो हॉस्टल नहीं बनने और पहली बारिश में पानी टपकने के दावों से मचा हड़कंप

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। ग्राम नागदा में करीब 280 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मेडिकल कॉलेज भवन अब निर्माण की कथित अनियमितताओं और गुणवत्ता को लेकर राजनीतिक घमासान के केंद्र में आ गया है। मीडिया में निर्माण कार्य से जुड़ी कथित कमियों की खबरें सामने आने के बाद भाजपा ने उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई है, वहीं युवा कांग्रेस ने इसे कथित भ्रष्टाचार का मामला बताते हुए पटेल चौक पर धरना शुरू कर दिया है। दोनों दलों की मांगों के केंद्र में निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करना है।

मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर शीला दाहिमा से मिला और मेडिकल कॉलेज निर्माण की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच के लिए कमेटी गठित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने शासन स्तर पर भी मामले को भेजकर कार्रवाई कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान से भी कानून-व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

भाजपा ने पूछा–प्राक्कलन के मुताबिक पूरा काम हुआ तो दो हॉस्टल कहां हैं?

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मेडिकल कॉलेज के निर्माण में स्वीकृत डीपीआर, टेंडर और प्राक्कलन के अनुरूप कार्य हुआ या नहीं, इसकी स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

भाजपा नेताओं ने आरोपों के संदर्भ में विशेष रूप से दो हॉस्टलों का निर्माण नहीं होने का मुद्दा उठाया। उनका सवाल है कि यदि निर्माण कार्य में कमियां थीं तो भवन को हैंडओवर लेने की प्रक्रिया किस आधार पर आगे बढ़ाई गई?

पार्टी ने निर्माण एजेंसी के साथ संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की है। साथ ही निर्माण की गुणवत्ता, उपयोग की गई सामग्री, भुगतान, प्राक्कलन और हैंडओवर प्रक्रिया की जांच कराने की बात कही गई।

प्रतिनिधिमंडल में भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण के साथ पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह जाट एवं पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश नारायण गुप्ता सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

उधर युवा कांग्रेस ने खोला मोर्चा, पटेल चौक पर शुरू हुआ धरना

मेडिकल कॉलेज निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर युवा कांग्रेस ने भी आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर लिया है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामभरत मीणा के नेतृत्व में मंगलवार को पटेल चौक पर टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया।

युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि करीब 20 करोड़ रुपये के कार्य अधूरे हैं। कांग्रेस नेताओं के अनुसार डीपीआर में प्रस्तावित दो हॉस्टलों का निर्माण नहीं किया गया, जबकि डॉक्टरों, सीनियर रेजिडेंट्स और नर्सिंग स्टाफ के आवासों का निर्माण भी केवल प्लिंथ स्तर तक किए जाने का आरोप है।

कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब महत्वपूर्ण निर्माण कार्य अधूरे हैं तो भवन को पूर्ण बताकर हैंडओवर लेने की तैयारी क्यों की जा रही है?

पहली बारिश में पानी टपकने और दरारों के भी लगाए आरोप

युवा कांग्रेस नेताओं ने मेडिकल कॉलेज भवन की निर्माण गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि पहली बारिश में ही भवन के कुछ हिस्सों से पानी टपकने लगा और दीवारों में दरारें दिखाई देने लगीं। परिसर के कुछ हिस्सों में धंसने की शिकायतों का भी उन्होंने उल्लेख किया है।

हालांकि इन आरोपों की वास्तविकता और निर्माण गुणवत्ता की स्थिति का अंतिम निष्कर्ष स्वतंत्र तकनीकी जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।

'जांच हो, दूध का दूध और पानी का पानी हो'

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अलग-अलग राजनीतिक मंचों से मेडिकल कॉलेज निर्माण की जांच की मांग उठा रहे हैं। भाजपा ने उच्चस्तरीय कमेटी गठित कर स्वतंत्र तकनीकी जांच की मांग की है, जबकि युवा कांग्रेस ने निर्माण की निष्पक्ष जांच, अधूरे कार्यों को पूरा कराने और जिम्मेदार निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक पटेल चौक पर धरना जारी रखा जाएगा।

अब जांच पर टिकी निगाहें

करीब 280 करोड़ रुपये की लागत से बने मेडिकल कॉलेज को लेकर उठे सवाल अब केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गए हैं। मामला निर्माण की गुणवत्ता, डीपीआर के अनुरूप कार्य, अधूरे निर्माण, भुगतान और हैंडओवर प्रक्रिया जैसे गंभीर तकनीकी बिंदुओं से जुड़ गया है।

ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जिला प्रशासन स्वतंत्र और उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराकर पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने लाएगा? यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार कौन है और यदि आरोप निराधार हैं तो उनकी सच्चाई भी जांच के जरिए सामने आनी चाहिए।

280 करोड़ की लागत से तैयार यह मेडिकल कॉलेज श्योपुर के लिए बड़ी स्वास्थ्य सुविधा है–इसलिए इसकी गुणवत्ता और निर्माण में पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों का जवाब अब राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच की रिपोर्ट से मिलना जरूरी है।

कॉलेज में लगा हेल्थ चेकअप कैंप, विद्यार्थियों की हुई आंखों से लेकर बीपी तक जांच

'उमंग हेल्थ एंड वेलनेस' कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दिए जरूरी टिप्स, तंबाकू-गुटखे से दूरी और स्क्रीन टाइम कम करने का संदेश

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। उच्च शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संयुक्त तत्वावधान में उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय श्योपुर में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की विभिन्न स्तरों पर जांच की। शिविर के दौरान विद्यार्थियों की ओरल हेल्थ, आई हेल्थ, एनीमिया, सीबीसी, ब्लड प्रेशर सहित अन्य स्वास्थ्य मानकों की जांच की गई। विद्यार्थियों के साथ प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने भी शिविर में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मां सरस्वती के पूजन से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके बाद महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वास्थ्य विभाग की टीम का स्वागत प्रो. अरविंद दोहरे, डॉ. भूपेंद्र हरदेनिया एवं डॉ. सीमा चौकसे द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

गुटखा-तंबाकू से दूरी और आंखों की सुरक्षा का संदेश

कार्यक्रम में डॉ. राधिका मित्तल ने विद्यार्थियों को ओरल हेल्थ के प्रति जागरूक करते हुए दांतों एवं मुंह की उचित देखभाल के उपाय बताए। उन्होंने गुटखा और तंबाकू जैसी हानिकारक आदतों से स्वयं तथा परिवार को दूर रखने का संदेश दिया। वहीं डॉ. अपर्णा ने आंखों की देखभाल को लेकर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने लगातार स्क्रीन देखने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए स्क्रीन टाइम कम करने और आंखों की उचित देखभाल पर जोर दिया।

चिकित्सकों की टीम ने मौके पर की स्वास्थ्य जांच

जागरूकता कार्यक्रम के बाद स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं टेक्नीशियनों की टीम ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं शंकाओं के बारे में विशेषज्ञों से जानकारी भी प्राप्त की।

कार्यक्रम में डॉ. अजीत सिंह एवं सुश्री शालू दुबे ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. मनु प्रताप सिंह भदौरिया, नोडल अधिकारी, उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम, शासकीय विधि महाविद्यालय द्वारा किया गया।

शिविर का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली, नियमित स्वास्थ्य जांच और नशे से दूरी के प्रति जागरूक करना भी रहा।

TET के विरोध में दिल्ली कूच करेंगे श्योपुर के शिक्षक

अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा की बैठक में रणनीति तय, 30 अगस्त के देशव्यापी आंदोलन में हजारों शिक्षकों के शामिल होने का दावा

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के आह्वान पर TET परीक्षा के विरोध में श्योपुर जिले के शिक्षक अब दिल्ली में होने वाले देशव्यापी आंदोलन में अपनी आवाज बुलंद करेंगे। आंदोलन की तैयारियों को लेकर संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें श्योपुर, विजयपुर, कराहल और बड़ौदा तहसीलों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के 30 अगस्त को दिल्ली कूच करने की रणनीति बनाई गई।

मोर्चा पदाधिकारियों के अनुसार शिक्षक ट्रेन एवं बसों के माध्यम से दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे। शिक्षकों का मुख्य मुद्दा 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को TET परीक्षा से मुक्त करने की मांग है।

'2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को TET से मिले छूट'

शिक्षक नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार को TET परीक्षा से संबंधित प्रावधानों में संशोधन कर 2010 से पूर्व नियुक्त देशभर के शिक्षकों, जिनमें मध्यप्रदेश के शिक्षक भी शामिल हैं, को TET परीक्षा से मुक्त किया जाना चाहिए।

मोर्चा ने मध्यप्रदेश सरकार से भी इस मामले में पहल करने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि तमिलनाडु सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश विधानसभा से विशेष प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जाए, ताकि प्रदेश के 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को TET परीक्षा की अनिवार्यता से राहत मिल सके।

30 अगस्त को दिल्ली में जुटेंगे शिक्षक

बैठक में शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर देशव्यापी आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गई। मोर्चा नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन शिक्षकों के भविष्य और उनके सेवा हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए जिले के सभी संबंधित शिक्षक एकजुट होकर आंदोलन में सहभागिता करें।

दिल्ली कूच की अपील करने वालों में रामचरित रावत, रामबाबू वर्मा, आजाद मोहम्मद, जगदीश सिंह जाट, पदम रावत, शैलेंद्र श्रीवास्तव, अनंत त्रिवेदी, महेंद्र मुद्गल, राधेश्याम कोठारी, अनंतराम मीणा, जगदीश शर्मा, बृजेश शर्मा, दिनेश साहू, शैलेंद्र तोमर, विनोद मौर्य, धर्मेंद्र शर्मा, मनोज गुप्ता, संजय शाक्य, खेमराज नागर सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे।

शिक्षकों का कहना है कि 30 अगस्त का दिल्ली आंदोलन TET की अनिवार्यता में संशोधन और 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इससे मुक्त कराने की मांग को लेकर निर्णायक आवाज बनेगा।

गड्ढों में गुम हुआ श्योपुर का विकास!

मुख्य सड़कों से लेकर गलियों तक बदहाल सड़कें, बारिश में गड्ढे बने मुसीबत; पंडित दीनदयाल बस स्टैंड भी बदहाली की तस्वीर–नगरवासी पूछ रहे, आखिर किस बात का विकास?

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। विकास की रफ्तार और शहर की चमक-दमक के दावों के बीच श्योपुर की सड़कों की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। नगर की शायद ही कोई ऐसी सड़क या पहुंच मार्ग बचा हो, जहां गड्ढों की समस्या नजर न आती हो। बारिश के बाद स्थिति और भी बदतर हो गई है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।

नगरवासियों का सवाल अब सीधे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है–जब शहर की सड़कों की हालत इतनी खराब है तो आखिर नगर विकास के नाम पर हो क्या रहा है?

मुख्य मार्गों से मोहल्लों तक गड्ढों का जाल

गांधी चौक से लेकर थाने के पीछे बालापुरा जाने वाला मार्ग हो या नया बांस मसालदार मोहल्ले से किले की ओर जाने वाली सड़क, बदहाल सड़कों की तस्वीर जगह-जगह दिखाई देती है।

बोहरा बाजार, पंडित पाड़ा, पुरानी सब्जी मंडी मार्ग, पापूजी मोहल्ला, पारखजी का बाग मार्ग, मालियों के मंदिर से भोई मोहल्ला, बड़ा इमामबाड़ा, गुलिया मोहल्ला, भैंसपाड़ा, करनैल

बाजार, पुराना गर्ल्स स्कूल से जीवन टॉकीज मार्ग सहित शहर के कई इलाकों में सड़कें गड्ढों से जूझ रही हैं।

हालात यह हैं कि बारिश होते ही सड़क और गड्ढे के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पानी से भरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी के साथ दुर्घटना का कारण भी बन सकते हैं।

बस स्टैंड की हालत भी सवालों के घेरे में

शहर के पंडित दीनदयाल एकीकृत बस स्टैंड की हालत भी लोगों के सवालों के घेरे में है। नगरवासियों का कहना है कि बस स्टैंड का ठेका दिया जाता है, लेकिन इसके बावजूद परिसर की सड़क और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा?

बस स्टैंड में बने गड्ढों के कारण यात्रियों, बस चालकों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

'क्या यही है नगर पालिका का विकास?'

सड़कों की बदहाली को लेकर अब नगरवासी तंज कस रहे हैं। उनका कहना है कि शहर में ऐसी सड़क ढूंढना मुश्किल हो गया है, जिस पर गड्ढे न हों।

लोगों का सवाल है कि जिला बने वर्षों बीत चुके हैं, शहर लगातार विस्तार की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बुनियादी सड़क सुविधाओं की स्थिति आज भी चिंताजनक क्यों है?

बाहर से आने वाले लोग भी पूछ रहे सवाल

नगरवासियों की परेशानी यहीं तक सीमित नहीं है। दूसरे शहरों और क्षेत्रों से श्योपुर आने वाले लोगों को भी शहर की सड़कों की स्थिति का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शहर की बदहाल सड़कें श्योपुर की विकास छवि पर भी सवालिया निशान खड़े कर रही हैं।

अब जरूरत केवल आश्वासन की नहीं, बल्कि सड़कों की वास्तविक मरम्मत और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की है। नगरवासियों की मांग है कि नगर पालिका शहर की सभी प्रमुख और आंतरिक सड़कों का सर्वे कराकर गड्ढों को तत्काल भरवाए तथा जर्जर सड़कों की स्थायी मरम्मत कराए।

सवाल सीधा है–जब शहर में विकास कार्यों की बात होती है, तो फिर सड़कों की यह बदहाली आखिर किस विकास की तस्वीर है?

शिवपुरी में धूमधाम से निकला जुलूस, जगह-जगह फूलमालाओं से हुआ भव्य स्वागत..

शिवपुरी (निज संवाददाता)। नगर में आपसी सौहार्द और भाईचारे के वातावरण के बीच एक भव्य जुलूस का आयोजन किया गया। यह जुलूस शिवपुरी स्थित हुसैन टेकरी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों—माधव चौक और गुरुद्वारा चौराहा होते हुए पुनः हुसैन टेकरी पर पहुँचकर संपन्न हुआ। जुलूस में शामिल समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों का पूरे मार्ग में भव्य स्वागत किया गया।

जुलूस के दौरान सर्वसमाज और विभिन्न संगठनों द्वारा सहभागिता दर्ज की गई। इस अवसर पर पार्षद इस्माइल खान, रैली अध्यक्ष लुकमान खान, समाजसेवी समीर पासा, विक्की पठान, सिद्दीक खान, अशरफ खान, हाजी वासिद अली, शहर काजी वलिउद्दीन अहमद सिद्दीकी, सुहैल ख़ान, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, गुरुद्वारा कमेटी, बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि, राहुल रामजी व्यास, भीम आर्मी, मोहन मेडिकल तथा मुस्लिम समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

मार्ग में जगह-जगह उपस्थित लोगों ने जुलूस का फूलमाला पहनाकर आत्मीय इस्तकबाल किया और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

(रिपोर्टः यशपाल रावत, भूपेंद्र रावत – पड़ोरा एंड संस)

शिवपुरी जिले में फार्मर रजिस्ट्री के लिए आयोजित किए जा रहे हैं कैंप...

कलेक्टर श्री वर्मा ने दिए शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश

सरकारी योजनाओं व अनुदान का सीधा लाभ पाने के लिए किसान कराएं फार्मर रजिस्ट्री

शिवपुरी, 26 अगस्त 2026/ मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में जिले में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य त्वरित गति से पूर्ण कराया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को समय-सीमा में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने गांव में कैंप लगाकर फार्मर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देशानुसार कैंप का आयोजन किया जा रहा है और राजस्व अधिकारियों द्वारा कैंप का निरीक्षण भी किया जा रहा है।

विशेष शिविरों का संचालन एवं मैदानी अमले की तैनाती

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा द्वारा शिवपुरी, कोलारस, पोहरी, करैरा एवं पिछोर के अनुविभागीय अधिकारियों को नियत समयावधि में कार्य पूर्ण कराने हेतु तहसील, पटवारी हल्का एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष 'फार्मर रजिस्ट्री अभियान' चलाकर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन शिविरों के सुचारू संचालन हेतु त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत पटवारी, सर्वेयर, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, ग्रामीण उद्यान विकास अधिकारी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी तथा सहकारिता प्रतिनिधि का मैदानी दल शिविर स्तर पर पहुँचकर किसानों का पंजीयन कर रहा है। इसके साथ ही क्लस्टर स्तर पर कृषि विकास अधिकारी, पंचायत समन्वय अधिकारी व ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहयोग प्रदान कर रहे हैं, जबकि नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, सब इंजीनियर एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नोडल अधिकारी के रूप में व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

फार्मर रजिस्ट्री (एग्रीस्टैक) के लाभ एवं आवश्यक दस्तावेज

फार्मर रजिस्ट्री (एग्रीस्टैक) के अंतर्गत प्रत्येक किसान की भूमि (खसरा/खतौनी), आधार एवं बैंक खाते को लिंक करके एक यूनिक 'फार्मर आईडी' (किसान पहचान पत्र) तैयार की जा रही है, जिससे किसानों को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि', 'फसल बीमा योजना', न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन और कृषि अनुदान की राशि बिना किसी मध्यस्थ के सीधे बैंक खाते में पारदर्शी रूप से प्राप्त होगी। साथ ही इससे किसान क्रेडिट कार्ड तथा कृषि ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया भी अत्यंत सुगम और तेज हो जाएगी; इस पंजीयन हेतु किसानों को अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, भूमि संबंधी दस्तावेज (खसरा नकल) एवं बैंक पासबुक की प्रति उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

कृषकों से पंजीयन की अपील

जिले के समस्त कृषकों से अपील की जाती है कि वे अपनी ग्राम पंचायत व नजदीकी शिविर स्थल पर समय से पहुंचकर अनिवार्य रूप से अपनी फार्मर रजिस्ट्री करवाएं ताकि शासकीय योजनाओं एवं अनुदान का निर्बाध लाभ प्राप्त हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शिविर आयोजित कर प्रतिदिन की प्रगति से अनिवार्य रूप से अवगत कराएं।

शिवपुरी में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

3 लाख की स्मैक के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार, रेलवे स्टेशन रोड पर बेचने की फिराक में था आरोपी

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शहर को नशामुक्त बनाने के चल रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित शारदा सॉल्वेंट के पास से एक आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया, जिसके कब्जे से 14.48 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। जब्त की गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के सख्त निर्देशों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति और नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने आज बुधवार की शाम 4 बजे जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति शारदा सॉल्वेंट के पास अवैध मादक पदार्थ बेचने की नीयत से खड़ा है। सूचना मिलते ही टीआई ने तत्काल पुलिस टीम का गठन कर मौके पर दबिश दी।

पुलिस को अपनी ओर आता देख आरोपी घबराकर भागने लगा, जिसे मुस्तैद पुलिस बल ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिकेत रावत (उम्र 20 वर्ष), निवासी शारदा

कॉलोनी, टोंगरा रोड, शिवपुरी बताया। तलाशी लेने पर उसके लोअर की दाई जेब से एक पारदर्शी पन्नी में 14.48 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पकड़ा गया आरोपी अनिकेत रावत शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके खिलाफ पूर्व में भी शिवपुरी कोतवाली थाने में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। उस पर पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के अलावा मारपीट और बलवे (बीएनएस की धाराओं) के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से यह पूछताछ कर रही है कि वह इतनी बड़ी मात्रा में स्मैक कहाँ से लेकर आता था और इस अवैध कारोबार में उसके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला (अपराध क्रमांक 660/26) दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिवपुरी को नशामुक्त बनाने के लिए नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। बाहर से आकर शहर में नशा फैलाने वाले असामाजिक तत्वों की भी विशेष तौर पर कुंडली खंगाली जा रही है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उप निरीक्षक विवेक भट्ट, उप निरीक्षक सुमित शर्मा, प्रधान आरक्षक गजेंद्र परिहार, अवतार सिंह और आरक्षक देवेंद्र रावत, अजय यादव, राहुल कुमार, दिलशाद खान, अजीत राजावत, बृजेश जादौन समेत पूरी पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

श्योपुर शक्तिपीठ पर होगा चार दिवसीय 24 कुंडीय यज्ञ, शिव परिवार की होगी प्राण-प्रतिष्ठा

21 से 24 नवंबर तक शांतिकुंज हरिद्वार की टोली कराएगी धार्मिक आयोजन; तैयारियों को लेकर 30 अगस्त को होगी महत्वपूर्ण बैठक

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। गायत्री परिवार के अनुरोध को स्वीकार करते हुए शांतिकुंज हरिद्वार के कार्यक्रम विभाग द्वारा श्योपुर शक्तिपीठ पर चार दिवसीय भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत 21 नवंबर से 24 नवंबर 2026 तक 24 कुंडीय यज्ञ, संस्कार, सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा कार्यक्रम के साथ शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार शांतिकुंज हरिद्वार की टोली द्वारा चार दिवसीय कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। आयोजन को लेकर गायत्री परिवार एवं श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

24 कुंडीय यज्ञ के साथ होंगे विभिन्न संस्कार

चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 24 कुंडीय यज्ञ एवं विभिन्न संस्कार संपन्न कराए जाएंगे। इसके साथ ही सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा कार्यक्रम भी आयोजित होगा। आयोजन का प्रमुख आकर्षण शिव परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा रहेगी, जिसे शांतिकुंज हरिद्वार से आने वाली टोली द्वारा विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा।

30 अगस्त को होगी महत्वपूर्ण बैठक

कार्यक्रम के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन की तैयारियों को लेकर 30 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे बैठक आयोजित की गई है। बैठक में गायत्री परिवार ट्रस्ट, जिला एवं तहसील समन्वय समितियों के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

बैठक में आयोजन के सुचारू संचालन के लिए संचालन समिति सहित विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। साथ ही चार दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की जाएगी।

गायत्री परिवार ने की सहभागिता की अपील

आयोजकों ने गायत्री परिवार के सभी कार्यकर्ताओं, समन्वय समितियों, गणमान्य नागरिकों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थित होकर इस पुण्य आयोजन में सहभागिता करने की अपील की है।

बैठक के उपरांत भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था रखी गई है।

दिनांकः 30 अगस्त 2026

समयः दोपहर 12 बजे

मुख्य आयोजनः 21 से 24 नवंबर 2026

स्थानः शक्तिपीठ श्योपुर

विशेष आयोजनः 24 कुंडीय यज्ञ, संस्कार, सजल श्रद्धा-प्रखर प्रज्ञा एवं शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा

आयोजन सहयोगः गायत्री परिवार एवं शांतिकुंज हरिद्वार की टोली

रामतलाई ट्रस्ट ने सौंपा नपाध्यक्ष को ज्ञापन

श्योपुर (निज संवाददाता)। श्योपुर नगर के बहुसंख्यक श्रद्धालु जन का प्रमुख प्राचीन एवं सिद्ध आस्था केन्द्र, जो नगर के मध्य में स्थित है, श्री रामतलाई हनुमान मंदिर परिसर में मौजूद परमार्थ निकेतन सभागार के करीब 60 वर्ष पुराना तथा क्षतिग्रस्त होने से, उसके जीर्णोद्धार के लिये आज श्री रामतलाई हनुमान मंदिर ट्रस्ट ने नगरपालिका परिषद श्योपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग को एक आग्रह पत्र उनके निवास पर सौंपकर इस धार्मिक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शासकीय-अशासकीय आयोजनों के लिये उपयोगी तथा उपयुक्त सामुदायिक सभागार का नवीनीकरण कराने का निवेदन किया। इस अवसर पर वार्ड 08 के पार्षद श्री राजेन्द्र मित्तल तथा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री नारायण दास गर्ग, मंत्री श्री सत्यनारायण मित्तल, एवं सदस्य गण साथ रहे।

मुरैना में ईद मिलादुन्नबी जुलूस से लौट रहे युवकों का आतंकः मामूली टक्कर के बाद कार में की तोड़फोड़, भाजपा नेता के बेटे का नाम आया सामने

मुरैना (निज संवाददाता)। शहर के नेशनल हाईवे स्थित केएस चौराहे पर एक मामूली सी बात पर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। ईद मिलादुन्नबी के जश्न से लौट रहे बाइक सवार युवकों की एक बाइक, मुरैना निवासी मुकेश परमार की कार से हल्की सी टकरा गई। यह मामूली सी टक्कर आक्रोशित युवकों को इतनी नागवार गुजरी कि उन्होंने कानून को अपने हाथ में ले लिया।

गुस्से में भरे युवकों ने न सिर्फ कार पर चढ़कर जमकर उत्पात मचाया, बल्कि पत्थरों से ताबड़तोड़ वार कर गाड़ी के शीशे और हिस्से तोड़ डाले। डरकर जब कार चालक जान बचाकर वाहन को भगाते हुए गणेशपुरा में कब्रिस्तान चौराहे के पास पहुंचा, तो वहां पहले से मौजूद कुछ अन्य उपद्रवी युवकों ने भी कार को घेर लिया और

दोबारा उसमें तोड़फोड़ की इस सनसनीखेज घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। खास बात यह है कि इस पूरे मामले में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष परवेज खान के बेटे का नाम मुख्य रूप से सामने आ रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया आरक्षक कुलदीप जाट ने यह सूचना टीआई अमित भदौरिया को दी और तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर बाकी उपद्रवी युवकों की तलाश तेजी से की जा रही है, ताकि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था कायम रखी जा सके।

बदरवास में श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित होगा एक दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने एसडीएम कोलारस को बनाया नोडल अधिकारी

शिवपुरी,(निज संवाददाता)। जिले की तहसील बदरवास स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में 04 सितम्बर को एक दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी धार्मिक व पौराणिक मान्यताओं और स्थानीय जनश्रुतियों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने श्रीकृष्ण पर्व को गरिमामय और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों

को जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं। कोलारस अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री शिवदयाल धाकड़ को इस आयोजन का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं बदरवास जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक आम जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, विद्वानों और नागरिकों को इस धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सव से जोड़कर इसे भव्य रूप दिया जाएगा।

डिजिटल लेबर चौक ऐप का शुभारंभ, श्रमिकों और नियोक्ताओं को मिलेगा डिजिटल रोजगार मंच

गुना (निज संवाददाता)। श्रम पदाधिकारी, जिला गुना द्वारा श्रमिकों एवं नियोक्ताओं को एक डिजिटल मंच से जोड़ने के उद्देश्य से डिजिटल लेबर चौक (Digital Labour Chowk) ऐप का औपचारिक शुभारंभ किया गया। ऐप के माध्यम से जिले के श्रमिकों को पारदर्शी, त्वरित एवं सुरक्षित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा नियोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर योग्य श्रमिकों से सीधे जोड़ने की सुविधा मिलेगी।

डिजिटल लेबर चौक ऐप की प्रमुख विशेषताएं

ऐप के माध्यम से जिले के निर्माण, कृषि, घरेलू एवं अन्य असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिक अपना पंजीकरण कर सकेंगे। नियोक्ता अपनी श्रम आवश्यकताओं को ऐप पर पोस्ट कर स्थानीय एवं योग्य श्रमिकों से सीधे संपर्क कर सकेंगे। श्रमिकों के कौशल एवं व्यवसाय के अनुरूप रोजगार खोजने और कार्य से मिलान की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही कार्य की स्थिति, भुगतान एवं कार्य संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड संधारित किया जा सकेगा, जिससे रोजगार प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

श्रमिकों को मिलेंगे प्रमुख लाभ

ऐप के माध्यम से श्रमिकों को रोजगार के अवसर मोबाइल पर सहज एवं सरल तरीके से उपलब्ध होंगे। स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा तथा शासन की श्रम कल्याणकारी योजनाओं एवं उनसे संबंधित जानकारी भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी श्रमिकों एवं नियोक्ताओं से अपील की है कि वे डिजिटल लेबर चौक ऐप पर अपना पंजीकरण कर इसका अधिकतम लाभ लें। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

यह पहल जिले के श्रम बाजार को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे श्रमिकों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होने के साथ-साथ नियोक्ताओं को आवश्यकतानुसार योग्य श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। अधिक जानकारी के लिएः हेल्पलाइन नंबर - 07542-234567 ई-मेल - labour-guna-mp@gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

व्यापार युद्ध, भारत के लिए अवसर

-डॉ. प्रियंका सौरभ

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद बढ़ने से वैश्विक व्यापार प्रणाली में मूलभूत बदलाव का संकेत मिलता है। अगस्त 2026 में अमेरिका ने लगभग 20 अरब डॉलर मूल्य के कनाडाई सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया, जिसके जवाब में कनाडा ने अमेरिकी आयात पर 15 से 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि व्यापार अब केवल आर्थिक सहयोग का साधन नहीं रह गया है, बल्कि भू-राजनीतिक हितों को साधने और दबाव बनाने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में इसका उपयोग तेजी से किया जा रहा है। हालांकि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों की संख्या कम हो सकती है लेकिन भारत जैसे देश के लिए जो वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, इसके आर्थिक और रणनीतिक परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं।

अमेरिका और कनाडा के बीच विवादों का लंबा इतिहास है, जिसमें बाज़ार पहुँच, घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के उपाय और नियामक बाधाओं से संबंधित शिकायतें शामिल हैं। अमेरिका ने डेयरी उत्पादों, ऑटोमोबाइल, शराब, फर्नीचर, सीमेंट और अन्य वस्तुओं पर टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई की, जिसके जवाब में कनाडा ने अमेरिकी स्टील, कृषि उपकरण और उपभोक्ता उत्पादों पर टैरिफ लगाए। वर्तमान में, दोनों देशों के बीच व्यापार का मूल्य 880 अरब डॉलर से अधिक है, जिसका अर्थ है कि एक लंबा व्यापार युद्ध केवल इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहेगा। यह असहमति ऐसे समय में सामने आई है जब अन्य देश भी अमेरिकी व्यापार, विशेष रूप से अन्य अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ अधिक टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएँ लगा रहे हैं। इससे उत्तरी अमेरिका में आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता और नियमों पर आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली पर संदेह पैदा हो गया है।

भारत में बाहरी मांग में संभावित मंदी पहला झटका साबित हो सकती है। अमेरिका और कनाडा भारत के बड़े व्यापारिक साझेदार होने के साथ-साथ भारतीय दवाइयों, आईटी सेवाओं, वस्त्रों, इंजीनियरिंग उत्पादों और कई अन्य उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हैं। टैरिफ युद्ध, जो उत्तरी अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं के उपभोग और निवेश को बाधित करता है, भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां उत्तरी अमेरिकी कंपनियों को घटक, मध्यवर्ती वस्तुएं और व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करती हैं। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, लागत में वृद्धि और अनिश्चितता के कारण इन कंपनियों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

मुद्रास्फीति भी एक खतरा है। जवाबी शुल्क के चलते इस्पात, एल्युमीनियम और कृषि उत्पादों जैसे आवश्यक उत्पादों पर वैश्विक स्तर पर असर पड़ सकता है। यदि इन मूल्य वृद्धि का प्रभाव भारत तक पहुंचता है तो इससे घरेलू उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति पर दबाव पड़ सकता है। इससे आरबीआई के मौद्रिक नीति प्रबंधन में जटिलता आ सकती है। साथ ही, वैश्विक व्यापार नीति के नियमित हिस्से के रूप में बढ़ते संरक्षणवाद से भविष्य में भारत के निर्यात पर शुल्क, तकनीकी मानक और अन्य गैर-शुल्क बाधाएं भी बढ़ सकती हैं।

इस संकट से भारत के लिए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। व्यापार में बदलाव के चलते, उच्च शुल्क के कारण आयात महंगा हो गया है और आयातक वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को अमेरिका और कनाडा के बाज़ार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। भारतीय वस्त्र उद्योग, चमड़ा उद्योग, आभूषण उद्योग, फर्नीचर उद्योग और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के लिए बेहतर संभावनाएं बन सकती हैं क्योंकि अमेरिकी बाज़ार में कनाडाई सामान महंगा होता जा रहा है। इसी तरह, यदि कनाडा अपने व्यापार के लिए नए स्रोत तलाश रहा है तो भारत के लिए मशीनरी और इंजीनियरिंग सामान, कृषि उपकरण, वस्त्र और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार करने के अवसर हैं।

इससे भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन से लाभ उठाने का अवसर भी मिलता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपनी मूल्य श्रृंखला को किसी एक देश या क्षेत्र में विस्तारित करने का चलन है। भारत अपने विशाल घरेलू बाजार, अपेक्षाकृत बड़ी श्रमशक्ति, बढ़ती विनिर्माण क्षमता और विकसित बुनियादी ढांचे के कारण इस परिवर्तन से लाभ उठा सकता है। हालांकि, कम लागत ही पर्याप्त नहीं होगी। विश्वसनीय आपूर्ति, उच्च गुणवत्ता, समय पर वितरण और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं सुरक्षा मानकों का पालन भी महत्वपूर्ण होगा।

इसलिए, भारत को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को अमेरिका और कनाडा में टैरिफ से प्रभावित उत्पादों का विस्तृत अध्ययन करना चाहिए और उन क्षेत्रों का निर्धारण करना चाहिए जहां भारतीय कंपनियां प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। निर्यात प्रोत्साहन पहलों, निर्यात प्रतिनिधिमंडलों और क्रेता-विक्रेता बैठकों के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन इन अवसरों को व्यावसायिक परिणामों में परिवर्तित करने में सहायक हो सकता है। साथ ही, कनाडा जैसे प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ बातचीत जारी रखने और आसियान, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और पश्चिम एशिया में निर्यात बढ़ाने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भारत में रसद लागत को और कम करने, बंदरगाहों और सीमा शुल्क की दक्षता में सुधार करने और गुणवत्ता प्रमाणीकरण एवं परीक्षण क्षमताओं का विस्तार करने की आवश्यकता है। भारत को विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर नियम आधारित व्यापार प्रणाली की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत को व्यापार विविधीकरण के अल्पकालिक लाभों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए बल्कि अपनी दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता का निर्माण करना चाहिए।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध में भारत विजयी पक्ष में है। यदि भारत केवल अल्पकालिक निर्यात संभावनाओं में ही रुचि रखता है तो इसके लाभ सीमित ही रहेंगे। हालांकि, यदि वह इस संकट को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने के अवसर के रूप में देखता है तो इसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो सकता है। व्यापार में विविधता लाकर, प्रतिस्पर्धात्मकता और बुनियादी ढांचे में सुधार करके और आर्थिक कूटनीति में सक्रिय रूप से भाग लेकर भारत विश्व में मौजूदा अनिश्चितता का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमताओं को मजबूत कर सकता है।

रक्षाबंधन : रिश्ते से राष्ट्रभाव तक—सनातन संस्कृति का जीवंत संदेश

डॉ भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

कलाई पर बंधता है धागा,
मन में बंधता विश्वास।
बहन की आंखों में स्नेह रहे,
भाई के मन में हो एहसास।

रिश्ता केवल रक्त का नहीं,
यह संस्कारों का बंधन है।
एक-दूजे के सुख-दुःख में रहना,
यही प्रेम का सच्चा स्पंदन है।

रक्षा केवल तन की नहीं,
सम्मान, संस्कार और स्वाभिमान की हो।
रक्षा केवल रिश्तों की नहीं,
धरती, संस्कृति और हिंदुस्तान की हो।

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें एक साधारण-सा धागा केवल भाई-बहन के रिश्ते को नहीं बाँधता, बल्कि उसमें स्नेह, विश्वास, कर्तव्य, मर्यादा, सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यापक भावना समाहित होती है। श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व समय के साथ अपने स्वरूप में परिवर्तन करता रहा है, लेकिन इसकी मूल आत्मा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

रक्षाबंधन का अर्थ केवल यह नहीं कि भाई बहन की रक्षा करेगा और बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधेगी। इसका व्यापक अर्थ है—एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी स्वीकार करना। भारतीय परंपरा में रक्षा एकतरफा दायित्व नहीं, बल्कि परस्पर विश्वास और सहयोग का संकल्प है।

सनातन संस्कृति में रक्षाबंधन की विशेषता

सनातन परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पर्व केवल मनोरंजन या सामाजिक उत्सव नहीं होते, बल्कि जीवन-मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित करने का माध्यम भी होते हैं। रक्षाबंधन इसी परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

भारतीय चिंतन में भाई-बहन का संबंध केवल जैविक संबंध नहीं है। इसमें सम्मान, आत्मीयता और मर्यादा का भाव भी जुड़ा है। बहन राखी बांधते समय भाई के दीर्घ जीवन और मंगल की कामना करती है और भाई उसकी गरिमा, सुरक्षा तथा सम्मान के प्रति अपने दायित्व को स्वीकार करता है।

लेकिन आज इस पर्व की व्याख्या को और व्यापक बनाने की आवश्यकता है। रक्षा का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा नहीं है। आज रक्षा का अर्थ है—सम्मान की रक्षा, अधिकारों की रक्षा, प्रकृति की रक्षा, संस्कृति की रक्षा, कमजोर व्यक्ति की रक्षा और राष्ट्रहित की रक्षा।

रक्षाबंधन और भारतीय नारी-दृष्टि

रक्षाबंधन को केवल 'भाई द्वारा बहन की रक्षा' के रूप में देखना भारतीय परंपरा को सीमित कर देना होगा। भारतीय संस्कृति में नारी स्वयं शक्ति, ज्ञान, करुणा और नेतृत्व की प्रतीक रही है।

गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा जैसी विदुषियों से लेकर रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई होलकर और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई तक भारतीय इतिहास में महिलाओं ने समाज और राष्ट्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इसलिए रक्षाबंधन का संदेश यह भी है कि नारी संरक्षण की वस्तु मात्र नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की सहभागी है।

आज की युवा पीढ़ी को रक्षाबंधन इसी संतुलित दृष्टि से समझना चाहिए—भाई बहन का संरक्षक ही नहीं, उसका सहयोगी और सम्मानकर्ता भी है; और बहन भी परिवार तथा समाज के प्रति समान रूप से जिम्मेदार नागरिक है।

क्या रक्षाबंधन दूसरे धर्मों और संस्कृतियों से अलग है?

विश्व की विभिन्न संस्कृतियों में परिवार, भाई-बहन, प्रेम और पारस्परिक सहयोग के पर्व मिलते हैं। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल सनातन परंपरा में ही भाई-बहन के प्रेम का उत्सव होता है।

लेकिन रक्षाबंधन की विशिष्टता उसके सांस्कृतिक और दार्शनिक विस्तार में है।

सनातन परंपरा में संबंध केवल परिवार तक सीमित नहीं रहते। 'रक्षा' की अवधारणा व्यक्ति से समाज, समाज से प्रकृति और प्रकृति से समस्त सृष्टि तक विस्तारित होती है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में रक्षा-सूत्र को विभिन्न सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों में बांधने की परंपरा दिखाई देती है।

अर्थात रक्षाबंधन का मूल संदेश है—संबंधों में अधिकार से अधिक दायित्व और अपेक्षा से अधिक कर्तव्य।

यह दृष्टि इसे एक सामान्य पारिवारिक उत्सव से आगे ले जाकर सांस्कृतिक पर्व बनाती है।

रक्षाबंधन और प्रकृति

आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की चुनौती से जूझ रही है, रक्षाबंधन का संदेश प्रकृति तक भी विस्तारित किया जा सकता है।

यदि राखी सुरक्षा का प्रतीक है तो हम वृक्षों को भी 'रक्षा-सूत्र' बांधकर यह संकल्प ले सकते हैं कि उनकी रक्षा करेंगे। नदियों, जलस्रोतों, पशु-पक्षियों और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी आधुनिक रक्षाबंधन का हिस्सा बन सकती है।

यह परंपरा की मूल भावना को बदलना नहीं, बल्कि उसके संदेश को वर्तमान युग की आवश्यकताओं से जोड़ना है।

युवा पीढ़ी के लिए रक्षाबंधन का संदेश

आज का युवा डिजिटल दुनिया में जी रहा है। सोशल मीडिया ने संपर्क बढ़ाया है, लेकिन कई बार वास्तविक संबंधों में दूरी भी बढ़ी है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं।

ऐसे समय में रक्षाबंधन हमें याद दिलाता है कि रिश्ते केवल ऑनलाइन संदेशों से नहीं चलते। रिश्तों के लिए समय, संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता आवश्यक है।

युवाओं के लिए इस पर्व के कुछ महत्वपूर्ण संदेश हैं—

पहला—परिवार के लिए समय निकालना।

आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बावजूद परिवार से संवाद बनाए रखना आवश्यक है।

दूसरा—नारी सम्मान।

बहन की रक्षा का अर्थ उसके निर्णय लेने के अधिकार और सम्मान की रक्षा भी है।

तीसरा—जिम्मेदारी।

राखी केवल उपहार लेने-देने का अवसर नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को याद करने का अवसर है।

चौथा—सामाजिक समरसता।

रक्षा-सूत्र समाज में विश्वास और आत्मीयता का प्रतीक बन सकता है।

पांचवां—भारतीय संस्कृति से जुड़ाव।

युवा आधुनिकता को स्वीकार करते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रह सकता है।

रक्षाबंधन से राष्ट्र तक

भारतीय संस्कृति में 'रक्षा' की भावना अंततः राष्ट्र और समाज तक पहुंचती है। सैनिक सीमा पर देश की रक्षा करते हैं, डॉक्टर जीवन की रक्षा करते हैं, किसान अन्न-सुरक्षा सुनिश्चित करता है, शिक्षक ज्ञान की रक्षा करता है और नागरिक लोकतांत्रिक संस्थाओं तथा सामाजिक मूल्यों की रक्षा करता है।

इस दृष्टि से रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर बंधा धागा नहीं है। यह हमें पूछता है—हम अपने हिस्से की रक्षा का दायित्व क्या निभा रहे हैं?

क्या हम अपने परिवार की रक्षा कर रहे हैं?

क्या हम महिलाओं के सम्मान की रक्षा कर रहे हैं?

क्या हम बच्चों के भविष्य की रक्षा कर रहे हैं?

क्या हम प्रकृति की रक्षा कर रहे हैं?

क्या हम अपनी भाषा, संस्कृति और विरासत की रक्षा कर रहे हैं?

क्या हम राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं?

यदि इन प्रश्नों पर समाज विचार करे तो रक्षाबंधन का पर्व वास्तव में एक सामाजिक अभियान बन सकता है।

बदलते समय में बदलता स्वरूप

समय बदल रहा है और त्योहारों का स्वरूप भी बदल रहा है। आज राखियों के अनेक आधुनिक रूप बाजार में उपलब्ध हैं। ऑनलाइन राखी भेजी जा रही है। दूर रहने वाले भाई-बहन वीडियो कॉल के माध्यम से पर्व मना रहे हैं। यह तकनीक संबंधों को जोड़ने का माध्यम बन सकती है, बशर्ते वह संबंधों का विकल्प न बन जाए।

रक्षाबंधन का आधुनिकीकरण आवश्यक है, लेकिन उसका व्यवसायीकरण नहीं। उपहार महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन रिश्ते की कीमत उपहार से निर्धारित नहीं हो सकती।

आज आवश्यकता है कि रक्षाबंधन को 'रिश्ते का उत्सव' से 'जिम्मेदारी के संकल्प' में परिवर्तित किया जाए।

रक्षाबंधन : भारतीय संस्कृति की निरंतरता

सनातन संस्कृति की शक्ति उसकी निरंतरता में है। वह समय के साथ संवाद करती है और अपने मूल मूल्यों को नए संदर्भों में प्रस्तुत करती है। रक्षाबंधन भी इसी निरंतरता का प्रतीक है।

एक छोटी-सी राखी में बहन का स्नेह, भाई का संकल्प, परिवार की आत्मीयता, समाज का विश्वास और संस्कृति की स्मृति एक साथ दिखाई देती है।

आज जब दुनिया में व्यक्तिगत स्वार्थ, सामाजिक तनाव और पारिवारिक विघटन जैसी चुनौतियां दिखाई दे रही हैं, तब रक्षाबंधन हमें फिर से रिश्तों की शक्ति का स्मरण कराता है।

इसलिए रक्षाबंधन को केवल एक दिन का त्योहार न बनाकर एक जीवन-मूल्य बनाना होगा।

राखी कलाई पर बंधे, लेकिन उसका संकल्प जीवन में दिखाई दे।

रिश्ता भाई-बहन का हो, लेकिन भावना पूरे समाज की हो।

और रक्षा केवल व्यक्ति की नहीं—परिवार, समाज, संस्कृति, प्रकृति और राष्ट्र की भी हो।

यही रक्षाबंधन की सनातन आत्मा है और यही आधुनिक भारत की युवा पीढ़ी के लिए इसका सबसे बड़ा संदेश भी है।

रक्षाबंधन : देह से ऊपर संस्कार से युक्त भारतीय मर्यादा का उत्सव

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देह क्या है? कुछ अस्थियां, मांस, मज्जा और चमड़ी का पुंज। यही देह जब प्राण से जुड़ती है तो जीवित होती है और जब प्राण उससे निकल जाता है तो वही देह शव कहलाती है। अंतर दिखाई देने वाले शरीर और भीतर उपस्थित चेतना मय शरीर दोनों का यहां स्पष्ट देखा जा सकता है। इसी प्रकार सामान्य देह और संस्कारित देह में भी अंतर सामने दिखाई देने वाली आकृति का न होकर भीतर अर्जित संस्कारों का होता है।

रक्षा बंधन हजारों वर्षों का भारतीय संस्कार है। कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर उठे विवाद ने वस्त्र, स्त्री की स्वतंत्रता और विज्ञापन की रचनात्मकता से कहीं बड़ा प्रश्न हमारे सामने रखा है। प्रश्न यह है कि क्या किसी पवित्र सांस्कृतिक पर्व को बाजार की दृष्टि से प्रस्तुत करते समय उसकी मर्यादा, प्रतीक और धार्मिक भावभूमि का भी ध्यान रखा जाना चाहिए या नहीं? उत्तर है, निश्चित रूप से। क्योंकि परंपरा मनुष्य की स्वतंत्रता को संस्कारित करती है।

देह क्या है? कुछ अस्थियां, मांस, मज्जा और चमड़ी का पुंज। यही देह जब प्राण से जुड़ती है तो जीवित होती है और जब प्राण उससे निकल जाता है तो वही देह शव कहलाती है। अंतर दिखाई देने वाले शरीर और भीतर उपस्थित चेतना मय शरीर दोनों का यहां स्पष्ट देखा जा सकता है। इसी प्रकार सामान्य देह और संस्कारित देह में भी अंतर सामने दिखाई देने वाली आकृति का न होकर भीतर अर्जित संस्कारों का होता है।

भारतीय चिंतन ने मनुष्य को उसकी देह तक सीमित करके कभी नहीं देखा। यहां शरीर साधन है, साध्य को साधने का। देह के साथ मन है, मन के साथ बुद्धि है, चित्त है और इन सबके ऊपर संस्कारों से निर्मित वह चेतना है जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, इसीलिए भारतीय संस्कृति में आचरण का महत्व सबसे अधिक है। व्यक्ति क्या पहनता है, यह उसका व्यक्तिगत विषय हो सकता है, किंतु वह किस अवसर पर, किस संदर्भ में और किस भाव के साथ स्वयं को प्रस्तुत करता है, यह सामाजिक और सांस्कृतिक समझ है और यहीं से रक्षा बंधन का महत्व समझ में आता है।

माना कि राखी, रेशम, सूत या रंगीन धागे से बनी वस्तु है। मगर वह एक संबंध का संस्कार भी है। बहन, भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है। उसके पीछे मंगलकामना है, स्नेह है, विश्वास है और एक-दूसरे के प्रति दायित्व का भाव बोध भी है। यह पर्व परिवार को स्मरण कराता है कि संबंध अधिकार जताने के साथ जिम्मेदारियां उठाने से जुड़ा हुआ है। तभी भारतीय परंपरा ने जीवन के सामान्य संबंधों को भी संस्कार में बदल दिया। माता-पिता वे पूज्य हुए। गुरु ज्ञान का माध्यम बने। विवाह संस्कार बना। इसी क्रम में भाई-बहन का संबंध भी रक्षा बंधन के माध्यम से एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अर्थ ग्रहण करता है, इसलिए रक्षा बंधन को आधुनिक फैशन, आभूषण या उपहार के बाजार की दृष्टि से देखना उसके अर्थ को छोटा करना है।

इसी संदर्भ में कृति सेनन का रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद महत्वपूर्ण हो जाता है। विज्ञापन में अभिनेत्री ऑफ-व्हाइट ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट में दिखाई दीं। विज्ञापन का दृश्य रक्षाबंधन से जुड़ा था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके परिधान को लेकर प्रश्न उठे। विज्ञापन में पालतू कुत्ते को राखी बांधने वाले दृश्य पर भी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। विवाद बढ़ा तो कंगना रनौत ने भी विज्ञापन पर तीखी टिप्पणी की। बाद में जीवा ने विज्ञापन को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से वापस ले लिया और कहा कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का सम्मान करती है।

यहां जो समझनेवाली बात है, वह यही है कि व्यक्ति अपने निजी जीवन में क्या पहनता है, यह उसकी स्वतंत्रता का विषय है, किंतु जब वही व्यक्ति किसी धार्मिक पर्व के विज्ञापन का हिस्सा बनता है, तब वह अकेला व्यक्ति नहीं रहता, वह उस दृश्य की सांस्कृतिक भाषा का हिस्सा बन जाता है। वहां वस्त्र, आभूषण, भाव-भंगिमा, संवाद, संगीत और दृश्य संयोजन मिलकर एक संदेश बनाते हैं, इसलिए प्रश्न अभिनेत्री के कपड़े भर का नहीं है। प्रश्न यह है कि रक्षा बंधन को दिखाने के लिए विज्ञापन ने कैसी सांस्कृतिक भाषा चुनी?

यही पर आकर लगता है कि भारत में 'कल्चरल मार्क्सिज्म' अपने नए छद्म रूपों में भारत पर हावी होने के लिए षड्यंत्र कर रहा है । बेशक, बाजार की अपनी भाषा है। वह आकर्षण चाहता है, ध्यान चाहता है, चर्चा चाहता है और अंततः बिक्री चाहता है, किंतु धर्म और संस्कृति की भाषा अलग है। वह स्मृति, श्रद्धा, संबंध, संयम और दायित्व की भाषा है। जब बाजार किसी धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व को अपने प्रचार का माध्यम बनाता है, तो उसे यह समझना चाहिए कि वह एक सांस्कृतिक प्रतीक को भी सार्वजनिक रूप दे रहा है।

परंपरा नदी की तरह है। वह आगे बढ़ती है, उसमें नए जल का प्रवेश होता है, उसके किनारे बदलते हैं, किंतु उसकी धारा बनी रहती है। यदि नदी का जल ही समाप्त कर दिया जाए तो फिर सिर्फ नाम बचता है। इसी प्रकार यदि उत्सव का सांस्कृतिक भाव समाप्त हो जाए और उसका बाजार बचा रहे, तब उत्सव का संस्कार ही समाप्त हो जाता है। रक्षा बंधन की मर्यादा उस भाव में है जिसमें भाई-बहन एक-दूसरे को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। पर इस मर्यादा का अर्थ यह भी है कि पर्व को प्रस्तुत करते समय उसके सांस्कृतिक संकेतों के प्रति संवेदनशीलता रखी जाए।

क्या पालतू पशु से प्रेम गलत है? बिल्कुल नहीं। भारतीय परंपरा तो जीवमात्र में ईश्वर का अंश देखने की बात करती है। पशुओं के प्रति करुणा भारतीय जीवन-दृष्टि का हिस्सा है। लेकिन किसी विशेष धार्मिक संस्कार के मूल प्रतीक और उसके विस्तार के बीच भी अंतर समझना होगा। हर अच्छी भावना को हर धार्मिक अनुष्ठान के साथ जोड़ देना आवश्यक नहीं है। प्रत्येक परंपरा की अपनी संरचना, प्रतीक और मर्यादा होती है। यही विवेक संस्कृति को संस्कृति बनाए रखता है, इसलिए कृति सेनन के विज्ञापन का विवाद किसी एक अभिनेत्री, किसी एक ब्रांड या किसी एक परिधान तक सीमित करके देखना उचित नहीं।

आज का सच यही है कि यह हमारे समय के सामने खड़ा बड़ा सांस्कृतिक प्रश्न है। क्या हम अपने त्योहारों को उनके मूल अर्थ के साथ आधुनिक जीवन में आगे बढ़ाएंगे? क्या बाजार हमारी परंपराओं से लाभ लेते हुए उनके प्रति उत्तरदायी भी रह सकता है? क्या स्वतंत्रता के साथ मर्यादा का संतुलन बनाया जा सकता है? भारतीय उत्तर स्पष्ट है-हां। सोचना अब उन तमाम कंपनियों को है, जो उत्सव में उसके मूल को न देख सिर्फ बाजार खोज रही हैं। हमें स्वतंत्रता चाहिए, किंतु स्वच्छंदता नहीं। आधुनिकता चाहिए, पर आत्मविस्मृति नहीं। सौंदर्य चाहिए, मगर संदर्भहीन प्रदर्शन नहीं। बाजार चाहिए, परन्तु संस्कृति की कीमत पर नहीं।

क्योंकि देह मनुष्य की पहली पहचान हो सकती है, अंतिम नहीं। अंतिम पहचान उसके संस्कारों से बनती है और रक्षा बंधन उसी संस्कार का पर्व है। वह कलाई पर बंधता जरूर है, पर संबंध हृदय से होता है। वह धागे में दिखाई देता है, मगर उसका अर्थ पीढ़ियों की स्मृति में छिपा होता है। यही कारण है कि भारतीय समाज अपने पर्वों से प्रेम करता है, उनसे स्वयं को पुनः पहचानता है। संस्कृति को आधुनिक बनाना अलग बात है और संस्कृति को बाजार की सुविधा के अनुसार बदल देना अलग। पहली प्रक्रिया जीवंत परंपरा है, दूसरी आत्मविस्मृति की शुरुआत हो सकती है, इसलिए इस पर्व की रक्षा किसी धागे से अधिक आवश्यक है उसके अर्थ की रक्षा। यही भारतीय धर्म की शक्ति है, यही उसकी मर्यादा है और यही उसकी निरंतरता का रहस्य भी है।

ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा, शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर से जोड़ने की बात

बलरामपुर, 26 अगस्त (हि.स.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बुधवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आज बुधवार को आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल होकर प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है और बाबा कर्मेश्वर की कृपा पूरे छत्तीसगढ़ पर बनी रहे, यही उनकी कामना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालय, देवी मंदिर और लोक आस्था के केंद्र मौजूद हैं। राज्य सरकार इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा संबंध है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और तीर्थ दर्शन की इच्छा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ दर्शन योजना भी शुरू की गई है। इसके तहत देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों को चिन्हांकित किया गया है और अब तक करीब 10 हजार श्रद्धालु इसका लाभ लेकर विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं।

बस्तर में शांति और विकास का नया दौर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। लंबे समय तक हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब शांति और विकास का वातावरण बन रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्रा सहित बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी विकास कार्यों को लगातार गति दी जाएगी। धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

बाबा कर्मेश्वर धाम से जुड़ी हैं लोक आस्थाएं

ग्राम कर्रा स्थित बाबा कर्मेश्वर धाम क्षेत्र की प्राचीन लोक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां विराजमान शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ था। जनश्रुति के अनुसार करीब नौवीं-दसवीं शताब्दी में साल के वृक्ष के खोल में शिवलिंग की उत्पत्ति हुई और तभी से यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना की परंपरा चली आ रही है।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार महिला हितैषी सरकार : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे

राखी से पहले महतारी वन्दन योजना की 31वीं किश्त जारी

रायपुर 26 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने आज बुधवार को कहा कि माह सितम्बर की 31वीं किश्त की राशि अंतरित की गई है। पाण्डे ने कहा यह राखी त्यौहार को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रदेश सरकार द्वारा राखी के पूर्व बहनों को यह भेंट दी गई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डे ने कहा कि कल 25 अगस्त को जिला बालोद में महतारी वंदन सम्मान समारोह के आयोजन के दौरान 31वीं किश्त का भुगतान किया गया। माह सितम्बर 2026 की 31वीं किश्त के भुगतान ई-केवायसी करा चुकीं कुल 67,28,918 हितग्राहियों को कुल राशि 631,38,37,700 रुपये का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया। इनमें नियद नेल्लानार के हितग्राहियों के 6,897 हितग्राही भी शामिल है, जिन्हें 11वीं किश्त का भुगतान हुआ है। इस प्रकार अब तक कुल 20076 करोड़ रुपये का भुगतान बहनों को किया गया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डे बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग तक महतारी वन्दन योजना का लाभ पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री साय ने महिलाओं को महतारी वन्दन योजना के माध्यम से राशि उपलब्ध कराने का कार्य शुरू किया है। भाजपा सरकार प्रदेश की हर माता और बहन के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित है। महतारी वन्दन योजना की 31वीं किश्त जारी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती पाण्डे ने इसे प्रदेश सरकार का नारी सशक्तीकरण की दिशा में बढ़ता कदम बताया और कहा कि भाजपा सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पाण्डे ने बताया कि 01 मार्च 2024 से लागू हुई महतारी वन्दन योजना ने राज्य की माताओं और बहनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके सामाजिक सशक्तीकरण, सुकन्या समृद्धि योजना, स्वावलंबन, कुपोषण एवं एनीमिया निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महतारी वन्दन योजना में डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाता है।

धौलपुर में हर्षोल्लास से निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस सुरक्षा व्यवस्था रही चाक चौबंद

धौलपुर (निज संवाददाता) । पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर मनाए गए ईद मिलादुन्नबी पर्व के तहत धौलपुर शहर में भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस पुराने शहर से शुरू होकर फद्दी का चौराहा जगन चौराहा मोदी तिराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पटपरा पहुंचा पुराने शहर में आकर संपन्न हुआ जुलूस में मुस्लिम समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। जुलूस के दौरान शहर में जगह जगह लंगर लगाए गए जहां लोगों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ लंगर ग्रहण किया। पूरे मार्ग पर पर्व को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला जुलूस के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए। पुलिसकर्मी जुलूस के मार्ग पर लगातार निगरानी रखते हुए नजर आए धौलपुर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। पुलिस की कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 की लोक सूचना आज होगी जारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। जिला निर्वाचन अधिकारी नपा श्रीनिधि बी टी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर द्वारा घोषित नगरीय निकाय के आम चुनाव 2026 हेतु 27 अगस्त गुरूवार को सदस्य पद के लिए लोक सूचना जारी करने की तिथि निर्धारित की गईं हैं। नामांकन पत्रों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त सोमवार, नामांकन पत्रों की संवीक्षा की अंतिम तिथि 1 सितंबर मंगलवार, अभ्यार्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 3 सितंबर गुरुवार अपराह्न 3 बजे तक, चुनाव चिन्हों का आवंटन 4 सितंबर शुक्रवार, मतदान की तिथि प्रथम चरण 9 सितंबर बुधवार एवं द्वितीय चरण 11 सितंबर शुक्रवार, मतदान का समय प्रातः 7 बजे से 6 तक रहेगा।

धौलपुर में कांग्रेस निकाय चुनाव को लेकर मंथन प्रभारी बुडानिया बोले बहुमत से बनेगा कांग्रेस बोर्ड जिताऊ को मिलेगा टिकट

धौलपुर (निज संवाददाता)। निकाय चुनाव प्रभारी ने टिकट आवेदनकर्ताओं से किया सीधा संवाद निकाय चुनाव को लेकर धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाहा के कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त निकाय चुनाव प्रभारी रवीन बुडानिया रहे उन्होंने कहा कि पार्टी का फोकस समर्पित निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ साथ जिनका वार्ड में मजबूत आधार हो ओर जीत की सम्भावना अधिक हो उनके साथ रहेगा प्रभारी रवीन बुडानिया ने नगर परिषद चुनाव के आवेदन करने बाले आवेदकों से सीधा संवाद किया ओर उन्होंने कहा कि नगरपरिषद में बहुमत के साथ कांग्रेस का बोर्ड बनेगा उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव प्रभारी रवीन बुडानिया ने कहा कि एक-एक वार्ड से कई दावेदार सामने आ रहे हैं उन्होंने सबसे अपील की वे टिकट न मिलने की स्थिति में भी सभी मिलकर अधिकृत प्रत्याशी का एक जुट होकर समर्थन करें और पार्टी को मजबूत करें उन्होंने कहा कि टिकट वितरण में जमीनी और स्थानीय नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी धौलपुर विधानसभा विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने कहा कि इस बार बहुमत के साथ कांग्रेस का बोर्ड बनेगा और धौलपुर में विकास के नये आयाम स्थापित होंगे इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष पंडित साकेत बिहारी शर्मा जिला प्रवक्ता धनेश जैन जिला उपाध्यक्ष गोरेलाल कुशवाहा उपेन्द्र कुशवाहा नेमीचंद कुशवाहा ब्लाक अध्यक्ष उमर फारूक शिबू लोधा महावीर कुशवाहा अशोक कुशवाहा सहित कांग्रेस जन मोजूद रहे।

मतदान दिवस को रहेगा अवकाश

धौलपुर (निज संवाददाता)। जिला निर्वाचन अधिकारी नपा श्रीनिधि बी टी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के तहत नगरीय निकायों के आम चुनाव माह अगस्त-सितम्बर, 2026 के लिये मतदान 9 एवं 11 सितम्बर 2026 को मतदान होने की स्थिति में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में परक्राम्य लिखत अधिनियम के अन्तर्गत अवकाश रहेगा ताकि उन क्षेत्रों के मतदाता मतदान कर सकें। जिले के कुल 230 वार्डों में से नगर पालिका आम चुनाव के प्रथम चरण 9 सितंबर को नगर परिषद धौलपुर के 60 वार्ड नगर पालिका राजाखेड़ा के 35 वार्ड नगर पालिका मनिया के 20 वार्ड एवं नगर पालिका सैपऊ के 20 वार्डों सहित जिले के कुल 135 वार्डों में प्रथम चरण का मतदान होगा नगर पालिका आम चुनक़्वी द्वितीय चरण में नगर पालिका बसेड़ी में 25 वार्ड, बाड़ी में 45 वार्ड एवं सरमथुरा में 25 वार्ड सहित द्वितीय चरण में कुल 95 वार्डों में मतदान होगा।

मतदान दिवस पर रहेगा सूखा दिवस

धौलपुर (निज संवाददाता)। जिला निर्वाचन अधिकारी नपा श्रीनिधि बी टी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के तहत नगरीय निकायों के आम चुनाव माह अगस्त-सितम्बर, 2026 के लिये मतदान दिनांक 9 एवं 11 सितम्बर 2026 को मतदान दिवस एवं मतदान समाप्ति पर पूर्ण होने वाली 48 घंटों की अवधि अर्थात 7 सितम्बर को सांय 6 बजे से 9 सितंबर 2026 को सांय 6 बजे तक एवं द्वितीय चरण हेतु 9 सितंबर को सांय 6 बजे से 11 सितंबर 2026 को सांय 6 बजे तक तथा मतगणना दिनांक 14 सितम्बर 2026 को सूखा दिवस घोषित किया गया हैं।

मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा हेतु होल्डिंग एरिया निर्माण का कार्य प्रगति पर

मथुरा (निज संवाददाता)। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा, बेहतर भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षित यात्रा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तृतीय प्रवेश द्वार पर यात्री होल्डिंग एरिया के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इस कार्य की अनुमानित लागत 19.53 करोड़ रुपये है।

मथुरा जंक्शन पर वर्षभर यात्रियों की अत्यधिक आवाजाही रहती है तथा पर्व-त्योहारों, अवकाश एवं अन्य विशेष अवसरों के दौरान यात्री संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो जाती है, जिससे प्लेटफॉर्म एवं स्टेशन के आवागमन क्षेत्रों में भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के सुव्यवस्थित प्रबंधन के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया लगभग 4140 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है। होल्डिंग एरिया के विकसित होने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर समय से पूर्व एकत्रित होने के बजाय व्यवस्थित रूप से ठहरने की सुविधा मिलेगी, जिससे यात्रियों के प्रवेश को नियंत्रित एवं चरणबद्ध करने, प्लेटफॉर्मों पर भीड़ कम करने तथा स्टेशन परिसर में आवागमन को सुचारु बनाने में सहायता मिलेगी। परियोजना के कार्य दायरे में शेड के फाउंडेशन सहित सिविल कार्य, लगभग 460 वर्गमीटर क्षेत्रफल में शौचालय ब्लॉक का निर्माण, सामान्य विद्युत कार्य, सिग्नल एवं दूरसंचार कार्य, प्लंबिंग तथा अन्य आवश्यक कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त टिकट काउंटर, डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी, फर्नीचर आदि उपयोगिताओं का आवश्यकतानुसार स्थानांतरण भी किया जाएगा।

यह सुविधा विशेष अवसरों एवं अत्यधिक भीड़ के दौरान बेहतर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा निगरानी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रियों के सुव्यवस्थित प्रबंधन में भी सहायक होगी। होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक मूलभूत यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने से ट्रेन संचालन को अधिक सुचारु बनाने, प्लेटफॉर्मों पर अनावश्यक भीड़ कम करने तथा यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने में सहायता मिलेगी। रेल प्रशासन द्वारा कार्य की नियमित निगरानी की जा रही है तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर गिट्टी रहित ट्रैक निर्माण कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मंडल में वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन पर प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर गिट्टी रहित ट्रैक (ख्रुद्यद्यड्डह्यह्ल रुद्गह्यह्य ञ्रह्लड्डष्द्म) का निर्माण कार्य किया जाना है। यह कार्य दिनांक 20 नवंबर 2026 से 29 दिसंबर 2026 तक कुल 40 दिनों के लिए किया जाएगा। कार्य के दौरान यात्री ट्रेनों का परिचालन सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन तथा कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से समाप्त/प्रारंभ किया गया है।

मार्ग परिवर्तित की जाने वाली ट्रेनें

1. गाड़ी संख्या 12410 - हजरत निजामुद्दीन- रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस

दिनांक 21.11.2026 से 29.12.2026 तक मथुरा जंक्शन-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन-बीना जंक्शन के स्थान पर मथुरा जंक्शन-बयाना जंक्शन-सोगरिया-रुठियाई जंक्शन-बीना जंक्शन मार्ग से संचालित होगी।

2. गाड़ी संख्या 12406 - हजरत निजामुद्दीन-भुसावल गोंडवाना एक्सप्रेस

दिनांक 20.11.2026 से 27.12.2026 तक मथुरा जंक्शन-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन-बीना जंक्शन के स्थान पर मथुरा जंक्शन-बयाना जंक्शन-सोगरिया-रुठियाई जंक्शन-बीना जंक्शन मार्ग से संचालित होगी।

आंशिक रूप से समाप्त/प्रारंभ की जाने वाली ट्रेनें

1. गाड़ी संख्या 19665 - खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस

दिनांक 21.11.2026 से 30.12.2026 तक दतिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/प्रारंभ होगी।

2. गाड़ी संख्या 19666 - उदयपुर सिटी-खजुराहो एक्सप्रेस

दिनांक 19.11.2026 से 28.12.2026 तक दतिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/प्रारंभ होगी।

3. गाड़ी संख्या 12279 - ताज एक्सप्रेस

दिनांक 20.11.2026 से 29.12.2026 तक ग्वालियर जंक्शन पर शॉर्ट टर्मिनेट/प्रारंभ होगी।

4. गाड़ी संख्या 12280 - ताज एक्सप्रेस

दिनांक 20.11.2026 से 29.12.2026 तक ग्वालियर जंक्शन पर शॉर्ट टर्मिनेट/प्रारंभ होगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति एवं मार्ग की जानकारी रेलवे के उपलब्ध सूचना माध्यमों से अवश्य प्राप्त करें।

एसडीएम राघौगढ़ के निर्देशन में फूड सेफ्टी एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्यवाही

तहसील राघौगढ़ में बिना लाइसेंस की डेयरी यूनिट सील, मावा, पनीर एवं मिठाईयों के साथ 5 घरेलू सिलेंडर जप्त

गुना (निज संवाददाता)। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्या2ल के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने एसडीएम श्री अमित सोनी के मार्गदर्शन में तहसीलदार श्री अनुराग जैन के साथ खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं सैंपल लेने की कार्यवाही की। जांच दल ने ग्राम बेराखेड़ी तहसील राघौगढ़ में बिना लाइसेंस की चल रही डेयरी यूनिट से पनीर, मावा एवं दूध के सैम्पल लेकर फैक्ट्री को सील किया गया।

तहसील रोड़ राघौगढ़ स्थित भगत नमकीन भंडार से मावा एवं पेड़ा, दीपक जैन स्वीट्स से मावा एवं बर्फी, कलर होटल से मावा बर्फी एवं गुलाब जामुन एवं रामनगर चौराहा स्थित अंबिका बीकानेर मिष्ठान भंडार से मावा एवं मलाई बर्फी के सैंपल्स जांच हेतु जप्त किए। सभी सैंपल्स राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे जा रहे हैं। जिनकी जांच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। संयुक कार्यवाही में आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने भगत नमकीन भंडार से 01 तथा दीपक जैन स्वीट्स राघौगढ़ से 04 घरेलू सिलेंडर भी जब्त किए।

संयुक्त टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री नवीन जैन, श्री रवि कुमार शिवहरे, सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती खुशबू शुक्ला शामिल रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रूपये पायें

गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को मिलता है इनाम

मुरैना (निज संवाददाता)। शासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए राह-वीर योजना शुरू की गई है। गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर (दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय) में अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जाता है, इसके साथ ही चुने हुए राह-वीरों में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जाने का प्रावधान भी है।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने नागरिको से अपील की है कि सडक दुर्घटना के मामलों में घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचायें, इसके तहत मदद करने वालो को राहवीर योजना के तहत पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी। योजना के तहत कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति राह-वीर योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

इसके साथ ही मध्यप्रदेश शासन द्वारा सडक दुर्घटना पीडितों को नकदी रहित उपचार स्कीम अंतर्गत नामांकित अस्पतालों में डेढ लाख रूपये तक की राशि का उपचार निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, नामांकित अस्पतालों को पीडित के अस्पताल लाये जाने पर तुरंत चिकित्सा उपचार शुरू किया जाता है।

राखी मेला का समापन कार्यक्रम 27 अगस्त को

मुरैना-श्योपुर सांसद श्री शिवमंगल सिंह मुख्य अतिथि, महापौर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रहेंगी विशेष अतिथि

मुरैना (निज संवाददाता)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा राखी मेला का आयोजन 24 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक अमर शहीद पं. राम प्रसाद बिस्मिल के संग्रहालय के पास ज्ञानेश्वरी हाट स्थल पर किया जा रहा है।

डीपीएम, मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मुरैना ने बताया कि राखी मेले में स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न प्रकार की राखियों एवं अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। मेले के माध्यम से समूहों की दीदियों को उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी आजीविका को बढ़ावा देने का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि राखी मेले का समापन कार्यक्रम 27 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे ज्ञानेश्वरी हाट स्थल पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुरैना-श्योपुर सांसद श्री शिवमंगल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं महापौर, नगर निगम मुरैना श्रीमती शारदा सोलंकी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। डीपीएम ने बताया कि समापन कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की दीदियों सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

जिला संयोजक सोनी ने आलमपुर छात्रावास का किया निरीक्षण, अधीक्षक को दिए सुधार के निर्देश

भिण्ड (निज संवाददाता)। जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के जिला संयोजक सीपी सोनी ने आलमपुर शा. सीनियर बालक छात्रावास छात्रवास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर, कमरों और छात्र-छात्राओं को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं व व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि छात्रावास भवन के कमरे काफी जर्जर अवस्था में हैं, जिससे छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। भवन की दयनीय स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला संयोजक ने तुरंत नया निर्माण कार्य कराने के संकेत दिए और आश्वासन दिया कि इसके लिए जल्द ही आवश्यक बजट स्वीकृत और आवंटित किया जाएगा।

अधीक्षक को सख्त निर्देश

जिला संयोजक सोनी ने छात्रावास अधीक्षक को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के रहने, खाने और पढ़ाई का माहौल पूरी तरह अनुकूल और सुरक्षित होना चाहिए। परिसर में स्वच्छता और रखरखाव का विशेष ध्यान रखा जाए। छात्रावास की किसी भी समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के हित में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भवन निर्माण की कागजी प्रक्रिया को जल्द पूरा कर नया बजट जारी कराया जाएगा। इस अवसर पर छात्रावास का स्टाफ और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भिण्ड के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए हर संघर्ष करने को तैयार रहूंगा : रामशेष

- फैक्ट्रियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा रोजगार मिले : विधायक केशव देसाई

- रोजगार की मांग पर मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे कांग्रेस जनों को पुलिस-प्रशासन ने रोका

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) भिण्ड के जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल तक नहीं जाने दिया गया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बाद में अपर कलेक्टर एलके पाण्डे को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। भाजपा सरकार पर युवाओं की बेरोजगारी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए 50 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित करने सहित विभिन्न जनहित की मांगें उठाईं।

भिण्ड जिले के युवाओं को रोजगार दिलाने, किसानों की समस्याओं के समाधान तथा मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय लोगों के अधिकार सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) भिण्ड के जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपने के लिए मालनपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ता मामा ढाबा पर एकत्रित हुए, जहां से वे शांतिपूर्वक मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुए। लेकिन बड़ी संख्या में पुलिस बल एवं प्रशासन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया । इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से सीधे मिलने और ज्ञापन सौंपने की मांग की। पुलिस प्रशासन द्वारा रोके जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रशासन के बीच काफी देर तक तीखी बहस होती रही। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को थाने ले जाया गया, जहां भी वे मुख्यमंत्री को सीधे ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े रहे। बाद में अपर कलेक्टर एलके पाण्डे एवं एसडीओपी गोहद के बहुत समझाने पर कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपने के लिए सहमत हुआ।

इस अवसर पर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने कहा कि भिण्ड जिले के हजारों युवा रोजगार के अभाव में पलायन करने को मजबूर हैं । मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में लगातार नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, लेकिन स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं मिल रही है। कांग्रेस की मांग है कि प्रदेश सरकार स्पष्ट नीति बनाकर मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र की सभी औद्योगिक इकाईयों में भिण्ड जिले के स्थानीय युवाओं के लिए कम से कम 50 प्रतिशत रोजगार अनिवार्य करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जन लोकतांत्रिक तरीके से मुख्यमंत्री को जिले की जनता की समस्याओं से अवगत कराने पहुंचे थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री के पास युवाओं और किसानों की समस्याएं सुनने तक का समय नहीं था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोकना सरकार की जनविरोधी सोच को दर्शाता है।

बघेल ने भाजपा सरकार पर प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े वादे किए थे,लेकिन आज प्रदेश का युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। मालनपुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र का लाभ भी स्थानीय युवाओं को नहीं मिल रहा, जबकि बाहरी लोगों की भर्ती लगातार हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उद्योगों और निवेश के खिलाफ नहीं है, बल्कि चाहती है कि उद्योग बढ़ें, निवेश बढ़े और उसका सीधा लाभ भिण्ड जिले के युवाओं, किसानों एवं स्थानीय लोगों को मिले। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रदेश सरकार शीघ्र ही स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर ठोस नीति नहीं बनाती और ज्ञापन में उठाई गई मांगों पर कार्रवाई नहीं करती, तो जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) भिण्ड पूरे जिले में व्यापक एवं चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू करेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश सरकार और प्रशासन की होगी।

गोहद विधायक केशव देसाई ने कहा कि भिण्ड जिले के युवाओं को रोजगार दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों को सरकार की ओर से अनेक सुविधाएं और रियायतें दी जाती हैं, इसलिए स्थानीय युवाओं को रोजगार देना उनका नैतिक और सामाजिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा युवाओं, किसानों और श्रमिकों की आवाज उठाती रही है और आगे भी उनके अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। यदि सरकार स्थानीय युवाओं के साथ अन्याय करती रही तो कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिण्डोलिया ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में किसान, युवा और मजदूर सबसे अधिक परेशान हैं। किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और स्थानीय समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि जिले के युवाओं, किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए है। सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

ज्ञापन में मांग की गई है कि मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में भिण्ड जिले के स्थानीय युवाओं के लिए कम से कम 50 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित किया जाए।

स्थानीय रोजगार को कानूनी एवं प्रशासनिक स्तर पर लागू किया जाए। बंद औद्योगिक इकाइयों को पुनः प्रारंभ कराया जाए। किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराई जाए। औद्योगिक प्रदूषण एवं दूषित पानी की समस्या का स्थाई समाधान किया जाए। रोजगार मेले एवं कौशल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएं।स्थानीय जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

अंत में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भिण्ड के युवाओं को रोजगार मिले, किसानों को पर्याप्त खाद मिले, बंद फैक्ट्रियां फिर से चलें और स्थानीय लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिले, यही भिण्ड जिले की जनता की न्यायसंगत मांग है। यदि सरकार इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं करती तो कांग्रेस लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से बड़े जनआंदोलन के लिए बाध्य होगी।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मालनपुर राकेश तोमर, देवी सिंह तोमर, डॉ. शिवेन्द्र सिंह, नरेश सिंह भदौरिया, बाबूराम जामौर, डॉ. रणवीर सिंह यादव, बृजेन्द्र सिंह कल्लू, केदार कौशल, देवेन्द्र निगम, राजीव कौशिक, सुल्तान सिंह नरवरिया, पंकज त्रिपाठी, रामस्वरूप गोयल, अरविन्द यादव हैवदपुरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अंकित तोमर, बदन सिंह राठौर, सरदार संतोख सिंह पटेल, उपेन्द्र यादव, देवेन्द्र सिंह कुशवाह, अभिलाख सिंह यादव, जबर सिंह कुशवाहा, स्मिता शर्मा, शैलेन्द्र गुर्जर, ओमवीर रजक, बल्लू पाल बघेल, राघवेन्द्र जाटव, मनीष शिवहरे, रामा वाल्मीकि, राजाराम सिंह परमार, विजय बघेल, महावीर जाटव, अभिषेक पाल, ओमप्रकाश बरैया, सुंदरपाल सिंह बघेल, सुनील पाल, महेश चौरसिया, रामलखन सिंह कुशवाहा, मुकेश बघेल, गौरव गुर्जर, रामकिशोर यादव, संदीप बघेल, सोनू बघेल, विवेक जामौर,अभिषेक मौर्य, रोहित अर्गल, आदित्य यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

मुरैना जिले में अब तक 377.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना, (निज संवाददाता)। जिले में मानसून के दौरान 1 जून से 26 अगस्त 2026 तक 377.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 436.7 मिलीमीटर कम है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 813.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी।

तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के अनुसार जिले की औसत वार्षिक वर्षा 706.9 मिलीमीटर है। 26 अगस्त 2026 को जिले में औसतन 12.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्रों के अनुसार 26 अगस्त को कैलारस में 27, पोरसा में 20, जौरा में 9, अंबाह में 8, सबलगढ़ में 6 और मुरैना में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं, 1 जून से 26 अगस्त 2026 तक सर्वाधिक 530 मिलीमीटर वर्षा जौरा में दर्ज की गई। इसके अलावा कैलारस में 428, पोरसा में 399.5, सबलगढ़ में 382.5, मुरैना में 334.4 तथा अंबाह में सबसे कम 182.2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

राज्य परियोजना प्रबंधक गरिमा सुंदरम ने मुरैना की आजीविका गतिविधियों का किया निरीक्षण

समूह की महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ने और उत्पादों के बेहतर विपणन पर जोर

मुरैना (निज संवाददाता)। राज्य परियोजना प्रबंधक (सूक्ष्म उद्यमिता विकास) श्रीमती गरिमा सुंदरम ने बुधवार को मुरैना जिले का भ्रमण कर विभिन्न आजीविका एवं गैर-कृषि गतिविधियों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने समूह सदस्यों से संवाद कर संचालित गतिविधियों की जानकारी ली तथा व्यवसाय को अधिक प्रभावी एवं लाभदायी बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

भ्रमण की शुरुआत विकासखंड जौरा के ग्राम अलापुर स्थित नया सवेरा एफपीओ के कालीन निर्माण समूह से हुई। यहां उन्होंने कालीन निर्माण से जुड़ी समूह की दीदियों से विस्तृत चर्चा की और कालीन निर्माण की प्रक्रिया, तकनीक एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। श्रीमती नसीम, श्रीमती सोनी सहित समूह सदस्यों ने कालीन निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी।

इसके पश्चात उन्होंने ब्यूटी पार्लर गतिविधि का अवलोकन किया तथा राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान के कार्यक्रम के समापन समारोह में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला प्रबंधक, उद्योग विभाग से सहायक संचालक श्री संजय सिंह चौहान की उपस्थिति में प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागी दीदियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

श्रीमती सुंदरम ने आजीविका राखी मेले का भी भ्रमण किया और समूह सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने समूह सदस्यों एवं स्टाफ से संवाद कर उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, व्यवसाय के विस्तार तथा प्रभावी विपणन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

इसके बाद कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की उपस्थिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के साथ कालीन क्लस्टर के संबंध में बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक में कालीन क्लस्टर की डीपीआर तैयार करने, समूह सदस्यों के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित करने, दीदियों के लिए वर्कशीट की व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के साथ अभिसरण के माध्यम से क्लस्टर की गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर परिसर स्थित दीदी कैफे का भ्रमण कर श्रीमती सुंदरम ने समूह की दीदियों से संवाद किया तथा कैफे का संचालन निर्धारित एसओपी के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं को स्थानीय संसाधनों एवं उनके कौशल के आधार पर स्थायी आजीविका से जोड़ना तथा उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न आजीविका गतिविधियों को व्यवसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने, उत्पादों की गुणवत्ता एवं विपणन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा समूह सदस्यों की आय में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया।

ग्वालियरः मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर एम्बुलेंस की जाँच जारी, 3 पर लगाया 22000 का जुर्माना

ग्वालियर, 26 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले भर में एम्बुलेंस की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में परिवहन विभाग की टीम ने बुधवार को डबरा में एम्बुलेंसों की सघन जांच की।

जांच अभियान के दौरान 3 एम्बुलेंसों में फिटनेस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसी) सहित आवश्यक दस्तावेजों में अनियमितता पाए जाने पर कुल 22 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

अधिकारियों ने एम्बुलेंस संचालकों को सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने तथा निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यात्रियों और मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वाहनों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने पर आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

रक्षाबंधन पर जेल में बंदियों की बहनों से कराई जाएगी प्रत्यक्ष मुलाकात

- सुबह लिखे जाएंगे बहनों के नाम, एक बजे तक होगी मुलाकात

भिण्ड (निज संवाददाता)। उपजेल गोहद में 28 अगस्त को परिरुद्ध बंदियों की उनकी माता बहनों से प्रत्यक्ष मुलाकात कराने एवं राखी बांधने हेतु प्रत्यक्ष रूप से मुलाकात कराई जाएगी। इसके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

मुलाकात हेतु बंदियों के बहनों के नाम 28 अगस्त को सुबह 8.30 से 12.30 तक लिखें जाएंगे तथा उन्हीं बहनों की मुलाकात दिन में दोपहर एक बजे तक कराई जाएगी। मुलाकात हेतु आने वाली बहनों से जेल की सुरक्षा एवं जेल नियमों को दृष्टिगतं रखते हुए अपने साथ कोई भी प्रतिबंधित सामग्री जैसे मोबाइल, मादक पदार्थ आदि साथ लेकर न आने को कहा गया है। मुलाकात पर बाहरी सामग्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। राखी बांधने हेतु कुमकुम, अक्षत आदि की व्यवस्था उप जेल गोहद प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। मुलाकात पर सीसीटीव्ही कैमरों की निगरानी रहेगी।

IFMIS CARES THEME अंतर्गत तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु साप्ताहिक समाधान शिविर आयोजित

मुरैना, (निज संवाददाता)। आयुक्त, कोष एवं लेखा, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के कार्यालयों में IFMIS सॉफ्टवेयर के संचालन के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण के लिए जिला कोषालय मुरैना में साप्ताहिक समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। IFMIS CARES THEME के अंतर्गत तकनीकी एवं एस.डी. से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित होने वाले इस शिविर का संचालन सहायक कोषालय अधिकारी श्री संजय शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया जाएगा। समस्याओं के समाधान के लिए दल का गठन किया गया है, जिसमें सहायक ग्रेड-3 श्री सोनू सेंगर एवं श्री भूपेन्द्र गुप्ता को शामिल किया गया है। यह समाधान शिविर प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को जिला कोषालय, मुरैना में आयोजित होगा। जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी IFMIS CARES THEME के अंतर्गत आने वाली तकनीकी एवं एस.डी. संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए निर्धारित दिवस पर जिला कोषालय में संपर्क कर सकते हैं।

दतिया में झमाझम बारिश से जलभराव, कच्चा मकान गिरा; अंगूरी बैराज से पहूंज नदी में छोड़ा पानी

दतिया, 26 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया जिले में मंगलवार रात से मौसम ने करवट ली और करीब दो बजे शुरू हुई झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। लगातार बारिश से शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गईं, जबकि विभिन्न कॉलोनियों में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अगले 24 घंटे में भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने से जिले में आगामी दिनों में अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है। बारिश से किसानों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि, तेज बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनने से प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

अंगूरी बैराज से पहूंज नदी में छोड़ा जा रहा पानी

लगातार बारिश के चलते अंगूरी बैराज में जलस्तर बढ़ गया है। बैराज में पानी का स्तर बढ़कर 7.0 क्यूमेक्स होने के बाद पहूंज नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। जलस्तर में और वृद्धि होने पर पानी छोड़ने की अवधि बढ़ाई जा सकती है। इसे देखते हुए नदी के निचले

इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी और उसके तटबंधों से दूर रहने की अपील की है।

प्राकृतिक झरना बना आकर्षण

बारिश के बाद असनई रामलाल मंदिर रोड पर प्राकृतिक झरना बहने लगा है। झरने का मनमोहक दृश्य देखने और बारिश का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक यहां पहुंच रहे हैं। प्रशासन की ओर से लोगों को नदी-नालों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

वार्ड-16 में कच्चा मकान गिरा

तेज बारिश के कारण नगर के वार्ड-16 में दुर्गा प्रसाद प्रजापति का कच्चा मकान गिर गया। मकान गिरने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। लगातार बारिश को देखते हुए कच्चे और जर्जर मकानों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

15 अक्टूबर तक संचालित रहेगा बाढ़ नियंत्रण कक्ष

जिले में भारी वर्षा और अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ एवं आपदा से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यह नियंत्रण कक्ष 15 अक्टूबर 2026 तक 24 घंटे संचालित रहेगा। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 07522-235100 निर्धारित किया गया है।

चम्बल औद्योगिक प्रगति से बना रहा है नई पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने मालनपुर में किया गोदरेज की चौथी नवीन एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ
- गोदरेज द्वारा 450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश से चंबल के विकास को मिलेगी नई गति, 600 लोगों को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

भिण्ड (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र देश का दिल तो है ही, अब देश-विदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों के दिलों में भी बसता है। प्रसिद्ध औद्योगिक प्रक्षेत्र मालनपुर में गोदरेज की चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ उद्योग जगत के मप्र पर दिनों-दिन बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि चंबल अब तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में हो रही औद्योगिक प्रगति में चम्बल अपने इतिहास को पीछे छोड़कर अब पूरी क्षमता से अपनी एक नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को भिण्ड जिले के औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की चौथी नवीन एकीकृत औद्योगिक (विनिर्माण) इकाई का शुभारंभ किया।

गोदरेज ग्रुप द्वारा लगभग 450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश से स्थापित यह इकाई मध्यप्रदेश में बढ़ते औद्योगिक विश्वास और ग्वालियर-चंबल अंचल में बदलते निवेश परिदृश्य का महत्वपूर्ण प्रतीक है। गोदरेज की इस चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई में 600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के बदलते स्वरूप के बारे में कहा कि चंबल की भूमि बेहद उपजाऊ है। आज लगातार यहां नई-नई औद्योगिक इकाइयां लग रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदरेज ने लगभग तीन दशक पहले मालनपुर में पहली इकाई स्थापित करते समय चुनौतियों के बजाय संभावनाओं को देखा। आपने बीहड़ नहीं, भविष्य देखा। चुनौती नहीं, संभावना देखी। उन्होंने कहा कि गोदरेज का यह 450 करोड़ रुपए का निवेश मेड इन एमपी और फेथ इन एमपी का उत्कृष्ट उदाहरण है। मालनपुर अब ग्वालियर-चंबल के औद्योगिक विकास का कैटेलिस्ट बन रहा है। यहां टॉय से लेकर टायर तक के उद्योग विकसित हो रहे हैं। एलेक्सर इंडस्ट्रीज द्वारा 1500 करोड़ रुपए का निवेश, गौतम सोलर की सोलर सेल निर्माण इकाई तथा मवई में ग्लास मैन्युफैक्चरिंग इकाई सहित अनेक परियोजनाएं क्षेत्र के औद्योगिक विस्तार को गति दे रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में गोदरेज का सफर राज्य की औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्धता और उद्योगों के साथ स्थायी पार्टनरशिप का प्रमाण है। वर्ष 1991 में मालनपुर में अपनी पहली इकाई की स्थापना से लेकर आज अपने विस्तारित मैन्युफैक्चरिंग हब के उद्घाटन तक गोदरेज कंपनी ने लगातार मध्यप्रदेश में रोजगार निर्माण, औद्योगिक विकास और आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दिया है। इस शुभारंभ से मालनपुर को एशिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड सोप मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री का गौरव हासिल हो गया है। प्लांट के कर्मचारियों में महिलाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित मप्र की दिशा में इस पार्टनरशिप को और अधिक मजबूत करने में यह इकाई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गोदरेज ग्रुप की एग्जिक्यूटिव चेयरपर्सन निसाबा गोदरेज ने कहा कि इस विस्तार के बाद अब एशिया की सबसे बड़ी सोप मैन्युफैक्वरिंग सुविधा मालनपुर में है। इस प्लांट में हर मिनट 4 हजार तक सोप बार बना सकते हैं। यह अत्याधुनिक प्लांट गोदरेज और मप्र के बीच 35 सालों की पार्टनरशिप प्रदर्शित करता है, जो 1991 में मालनपुर में हमारे पहले मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के साथ शुरू हुई थी। जिसमें अब तक कुल 850 करोड़ का निवेश हो चुका है, जहां साबुन, हेयर कलर्स, घरेलू कीटनाशकों आदि का निर्माण होता है। इस साईट में 480 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ चौथी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की गई है। यह प्लांट पूरी तरह ऑपरेशनल होने के बाद 3800 करोड़ रुपए के टर्नओवर का निर्माण करेगा। इस फैक्ट्री ने मैन्युफैक्चरिंग में महिलाओं के लिए अवसरों का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार निवेश आ रहा है। पहले चंबल को देश का पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। अब यहां धीरे-धीरे औद्योगिक निवेश बढ़ रहा है। भिण्ड जिले में हाइड्रोजन तैयार करने के लिए प्लांट का शिलान्यास भी हो चुका है। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र से प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया का संकल्प पूरा हो रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि गोदरेज के विस्तार से मालनपुर के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। गोदरेज ने अपने प्रोडक्ट्स के बलबूते उपभोक्ताओं के साथ मजबूत रिश्ता बनाया है। गोदरेज कंज्युमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ आसिफ मलवारी ने कहा कि इस प्लांट का निर्माण अत्याधुनिक ऑटोमेशन और डिजिटाईजेशन के साथ किया गया है। उन्होंने राज्य सरकार की प्रगतिशील और भविष्यगामी दृष्टि की सराहना की। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, विधायक लहार अंबरीश शर्मा, विधायक भिण्ड नरेन्द्र सिंह कुशवाह, विधायक गोहद केशव देसाई, जिला पंचायत अध्यक्ष कामना भदौरिया, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव, पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, गोदरेज ग्रुप के प्रेसिडेंट राकेश स्वामी, आईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, गोदरेज समूह के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

चोरी की वारदातों का खुलासा का खुलाशा, तीन बाइकें की बरामद

- 30 से 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी तक पहुंची गोहद पुलिस

गोहद (निज संवाददाता)। गोहद थाना पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी की तीन अलग-अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 10 अगस्त को ग्राम खितोली स्थित दरगाह से मोटर साइकिल क्र. एम.पी.30 एम.एन.5478, 20 अगस्त को न्यायालय परिसर गोहद से क्र. एम.पी.30 जेड.सी.1374 तथा 24 अगस्त को अस्पताल गोहद से क्र. एम.पी. 30 एम.डब्ल्यू.3592 चोरी हुई थीं। तीनों मामलों में थाना गोहद में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। अज्ञात आरोपियों की पतारसी के लिए पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा एसडीओपी महेन्द्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोहद नरेन्द्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटना स्थलों के आस-पास और कस्बे से बाहर लगे करीब 30 से 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इसी दौरान पुलिस को बस स्टैंड पर एक संदिग्ध व्यक्ति के खड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने उसे लाकर पूछताछ की। जिसमें संदिग्ध ने गोहद कस्बे में मोटर साइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की तीनों मोटर साइकिलें क्र. एम.पी.30 एम.एन.5478, क्र. एम.पी.30 जेड.सी.1374 और क्र. एम.पी.30 एम.डब्ल्यू.3592 बरामद कर ली हैं। पुलिस द्वारा आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना नाम पवन पुत्र महेश कुशवाहा उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम चक माटोली थाना बानमोर जिला मुरैना बताया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, सउनि कम्पोटर सिंह, प्रधान आरक्षक गौरीशंकर, उग्रसेन गुर्जर, रिपुदमन भदौरिया, जितेन्द्र पाराशर, आरक्षक भानु तोमर, सर्वेश तोमर, भूपेन्द्र जाट, जीतू कुशवाह एवं जितेन्द्र कदम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बारिश से वातावरण में आई ठंडक, उमस और गर्मी से राहत

- 24 घण्टे से जिलेभर में बारिश, गोरमी इलाके में सर्वाधिक

भिण्ड (निज संवाददाता)। सावन के अंतिम सप्ताह में मौसम में बदलाव आया है। जिले में दो दिन से आसमान में बादल छाए हैं। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हो रही है। इससे उमस और गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है। मौसम सुहाना होने के साथ बाजारों और सड़कों पर भी रौनक बढ़ गई है। लगातार बारिश से भूजल स्तर को भी फायदा मिलने की उम्मीद है।

पिछले 24 घण्टे में जिले के कई हिस्सों में बारिश हुई। गोरमी में सबसे ज्यादा 52 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद मौ में 35 मिमी, मेहगांव में 25 मिमी, लहार में 14 मिमी, रौन में 10 मिमी और भिण्ड में 8 मिमी बारिश हुई। मेहगांव क्षेत्र में सबसे कम 5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। बारिश से किसानों को भी राहत मिली है। जिले में 40 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की फसल बोई गई है। बारिश से खेतों में पर्याप्त पानी पहुंच रहा है। इससे किसानों को ट्यूबवेल और नलकूप से कम सिंचाई करनी पड़ रही है। इससे सिंचाई का खर्च भी कम हो रहा है। वहीं निचले इलाकों में पानी भरने से ज्वार, बाजरा और तिल की फसल प्रभावित होने की आशंका है।

इस साल कम बारिश

एक जून से 26 अगस्त तक जिले में 585.8 मिमी बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 668.5 मिमी बारिश हुई थी। इस तरह इस बार अब तक 82.7 मिमी बारिश कम हुई है।

मिलाद-उन-नबी पर गोहद नगर में निकला भव्य जुलूस, हुआ स्वागत

गोहद (निज संवाददाता)। मिलाद-उन-नबी के अवसर पर बुधवार को गोहद नगर में खपरिया मस्जिद नया बस स्टैण्ड, मौ रोड, अटल चौक, गंज बाजार, कोट का कुंआ, इटायली गेट, सदर बाजार, पुराना बस स्टैंड, किला रोड, बड़ा बाजार, बाबा कपूर की गली, नहर मोहल्ला, इस्लाम पुरा सहित मुख्य मार्गों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर शांति और भाईचारे का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह छबीले लगाकर जुलूस का स्वागत किया। मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल भी तैनात रहा। जुलूस के दौरान लोगों ने आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल रहा। जुलूस में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम BITTU Singh है और मेरे पिताजी का नाम अखिलेश सिंह है। इसलिए कृपया मुझे इसी नाम से जाना जाए।

प्रार्थी
बिट्टू सिंह

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं-C/JHS/158/GWL/WVMs/e-Auction/2026 **दिनांक : 24.08.2026**

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी : Misc-Static-Service-वाटर वेंडिंग मशीन आवंटन

एसेट्स डिटेल्स : झाँसी मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन के ठेके हेतु ई-नीलामी : वाटर वेंडिंग मशीन का विवरण : वाटर वेंडिंग मशीन (WVM) को झाँसी मंडल के निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है: दतिया (DAA), महाराजा छत्रसाल छतरपुर (MCSC), भिण्ड (BIX), ललितपुर (LAR), महोबा (MBA), वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी (VGLJ), उरई (ORAI), डबरा (DBA), ओरछा (ORC), टीकमगढ़ (TKMG), बाँदा (BNDA), पुखरायाँ (PHN), एवं हरपालपुर (HPP), प्रत्येक स्टेशन पर WVM की स्थापना हेतु निर्धारित सटीक स्थान/साइट, संबंधित साइट प्लान/लोकेशन विवरण, जो IREPS मॉड्यूल में उपलब्ध है, के अनुसार होगी। बोलीदाताओं/इच्छुक पक्षों को सलाह दी जाती है कि निविदा/ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व IREPS मॉड्यूल का अवलोकन कर संबंधित स्टेशन के साइट प्लान/ड्राइंग में दर्शाए गए स्थान का ध्यानपूर्वक संदर्भ लें।

केटलोग संख्या : JHS-WVM-CIRCULA

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 14.09.2026 को 10:00 बजे

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 14.09.2026 को 12:30 बजे

नोट :- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केंवल ऑनलाइन वेवसाइट www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **1982/26 (C)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONC

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: JHS/Br/L/2026-27/09 **दिनांक:** 22.08.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना (सिंगल-पैकेट सिस्टम)

उप मुख्य इन्जी/ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: Br-JHS-2026-09

कार्य का विवरण: उप मुख्य इंजीनियर/ब्रिज/लाइन/झाँसी के अंतर्गत बबीना (BAB) स्टेशन पर स्टैंडर्ड रैंप के साथ दूसरा कवर वाला FOB (03 मीटर चौड़ा) और तालबेहट (TBT) स्टेशन पर मौजूदा FOB पर रैंप की निर्माण।

अनुमानित मूल्य (रू): ₹ 6,78,93,970.83 | **बयाने की रकम (रू):** ₹ 13,57,900.00

कार्य समापन की अवधि: 12 महीना | **निविदा बंद की तिथि: 15.09.2026 (15:00 बजे तक)**

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: स्टील पुलों/फुट ओवर ब्रिज का फैब्रिकेशन एवं इरेक्शन/लांचिग का कार्य।

नोट:- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट पर **समय 15.00 बजे** तक निविदा बंद की तिथि **दिनाक 15.09.2026** तक उपलब्ध है। **(2)** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि सलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **(5)** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान या बैंक गारण्टी के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **(6)** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **(7)** आनलाइन निविदा **दिनांक** 15.09.2026 15:00 **बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। **1978/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

L. No. JHS-ELG-W-T-11-2026-27 **निविदा सूचना** **दिनांक: 21.08.2026**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (**ई-टेन्डरिंग**) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का विवरण: विधुत सामान्य कार्य :- भाग-A: JHS डिवीजन: दरियागंज (**DAYG**) स्टेशन पर यात्री शेड, वेटिंग हॉल, रिटायरिंग रूम, टिकट चेकिंग रूम और RPF रूम की व्यवस्था। **भाग-B:** जूही रेलवे कॉलोनी में स्टाफ़ क्वार्टर में सुधार और **ADEN / CNB** अधिकार क्षेत्र के तहत पानी की सप्लाई की व्यवस्था । **भाग-C:** ग्वालियर में 50 KL क्षमता वाले **RCC** ओवरहेड टैंक से 1 पुराने स्टील ओवरहेड टैंक को बदलना।

निविदा राशि: रू. . 41,71,628/- मात्र | **बयाना राशि:** रू. 83,400/- मात्र

निविदा सं: झॉसी-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-11-2026-27 | **कार्य समापन अवधि:** 06 माह

निविदा बंद होने की तिथि:- 14.09.2026 (15:00 बजे तक), ● निविदाकार निविदा दिनांक **14.09.2026** को **15:00 बजे** तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर देखें। **1983/26 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना सं.: झांसी/उमुसाप्र/2026/21 **दि.** 24.08.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक सामान्य भंडार डिपो झाँसी निम्नलिखित मदो के लिए ई प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. म.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा
1	51256330A	LHB EOG AC कोचों के लिए स्विच बोर्ड कैबिनेट, Drg. No. RDSO/PE/SPEC/AC/0184-2015 (Rev-02) फरवरी 2026 के अनुसार, पैकिंग निर्देश-PI115 VER 3.01	30 Nos.

निविदा खुलने की तिथि: 14.09.26 | **बयाना राशि:** ₹ 284180/-

नोट: 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निवदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदाओं हेतु ई बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नही की जायगी। वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको आई टी एक्ट 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी Class III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ आईआरपीएस की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजीटल हस्ताक्षरित फाइनेंसयिल रेट पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नही किया जायगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा । **1980/26(AK)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

L.No.: JHS-ELG-W-T-12-2026-27 Date: 21.08.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन **(ई-टेन्डरिंग)** के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.: झाँसी-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-12-2026-27 | **निविदा राशि:** रू. 62,31,256/- मात्र

कार्य का विवरण: विद्युत सामान्य कार्य: भाग-A: JHS डिवीज़न:- ग्वालियर में यात्री ट्रेनों के लिए त्वरित जल-भराव (क्विक वॉटरिंग) की सुविधा उपलब्ध कराना। **भाग-B:** JHS डिवीज़न:- बांदा (BNDA) में यात्री ट्रेनों के लिए त्वरित जल-भराव (क्विक वॉटरिंग) की सुविधा उपलब्ध कराना।

बयाना राशि: रू. 1,24,600/- मात्र | **कार्य समापन अवधि:** 06 माह

निविदा बंद होने की तिथि: 14.09.2026 (15:00 बजे तक)

निविदाकार निविदा दिनांक **14.09.2026** को **15:00** बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। **1984/26 (PH)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नई खेलो इंडिया योजना : पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गाँव से विश्व तक भारत की नई खेल यात्रा : विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल (निज संवाददाता)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नई खेलो इंडिया योजना का लक्ष्य गाँव से विश्व तक यानि जमीनी स्तर से लेकर ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों की पूरी विकास-श्रृंखला तैयार कर भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय खेल संस्कृति को गाँवों, स्कूलों और सामान्य परिवारों तक पहुँचाया है। प्रतिभा पहचान, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, बेहतर अधोसंरचना और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर पर बढ़ते जोर ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहतर विकास मार्ग तैयार किया है। ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम जैसी व्यवस्थाओं को मजबूती तथा राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रशिक्षण संस्थानों पर बढ़ता निवेश इस सोच को दर्शाता है कि भारत की खेल शक्ति केवल कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में नहीं बल्कि करोड़ों युवाओं की क्षमता को अवसर देने में निहित है। प्रधानमंत्री मोदी जी का खेलों के प्रति यह दृष्टिकोण आज पदक जीतने वाले भारत के साथ स्वस्थ, आत्मविश्वासी, अनुशासित और विश्व मंच पर नेतृत्व करने वाले भारत की कल्पना को साकार करेगा, जहाँ हर युवा विकसित भारत 2047 के निर्माण के महायज्ञ में अपनी सार्थक आहुति देगा।

व्यापक दृष्टिकोण के फलस्वरुप प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वाकांक्षी नई खेलो इंडिया योजना के लिये वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिये ?36,441 करोड़ राशि की मंजूरी प्रदान की है। इससे 10 गुना ज्यादा खिलाड़ी लाभान्वित होंगे। यह केवल खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना नहीं बल्कि भारत के युवा सामर्थ्य को खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, अनुशासन, तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मक उत्कृष्टता से जोड़ने की एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय परियोजना है। अब लक्ष्य केवल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोज लेना नहीं बल्कि उन्हें प्रतिभा पहचान से प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, उच्च स्तरीय कोचिंग, खेल विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और ओलंपिक तैयारी तक निरंतर सहयोग उपलब्ध कराना है।

नई खेलो इंडिया योजना से मध्यप्रदेश को खेल सुविधाओं और खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये समस्त आवश्यक प्रयास करेगा। प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमियां और पहले से संचालित है। खेलो इंडिया के 52 सेंटर्स को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खेल प्रतिभा और क्षमता के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

किसी भी खिलाड़ी की यात्रा का पहला पड़ाव अक्सर उसका विद्यालय और स्थानीय खेल मैदान होता है। यह वह स्थान हैं जहाँ बच्चा सीखता भी है, खेलता भी है और अपनी क्षमता को पहचानता भी है। इसलिए खेलो इंडिया फीडर स्कूल और खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालय जैसी पहलें विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि प्रतिभा पहचान और खेल विकास का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भारत खेलो नीति में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को समाहित करते हुए शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर शारीरिक क्षमता, रचनात्मकता, अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ने पर बल दिया गया है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विशाल युवा आबादी है, लेकिन प्रतिभा और पदक के बीच की दूरी अक्सर पर्याप्त प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, खेल विज्ञान और अवसरों की कमी से निर्धारित होती है। यह नई योजना इस अंतर को कम कर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिये तैयार करेगी। एथलीट विकास मार्ग को इस प्रकार परिकल्पित किया गया है कि प्रतिभा पहचान के बाद खिलाड़ी को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, नियमित प्रतिस्पर्धा, उच्च स्तरीय कोचिंग, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और ओलंपिक तैयारी की क्रमिक सुविधाएँ मिलती रहें। इससे जमीनी प्रतियोगिताओं से शुरू होकर खेलो इंडिया और आगे टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम तक की प्रगति सुनिश्चित होगी।

इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स (ई-केआईएस) नई खेलो इंडिया योजना में शुरू की गई एक विशेष श्रेणी है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करके उन्हें आगे बढ़ाना और देश के एथलीट विकास तंत्र का लगभग 10 गुना विस्तार करना है। अब भारत का लक्ष्य केवल चैंपियन खोजने का नहीं बल्कि चैंपियन तैयार करने की प्रणाली विकसित करने का है।

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र, मान्यता प्राप्त खेल अकादमियाँ, खेलो इंडिया केंद्र तथा सशस्त्र बलों की युवा खेल कंपनियाँ इस पूरी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ियाँ हैं। इन संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय प्रतिभा को उसके खेल कैरियर के विभिन्न चरणों में आवश्यक अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

एक सशक्त राष्ट्र वह नहीं जिसमें कुछ महान खिलाड़ी हों बल्कि वह है जिसमें हर वर्ग को अपनी क्षमता विकसित करने का अवसर मिले। इस योजना में फिट इंडिया मूवमेंट को व्यापक बनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है, जहां खेल की भूमिका पदक से कहीं बड़ी हो जाती है। खेल बच्चों में अनुशासन, युवाओं में आत्मविश्वास, समुदाय में सहभागिता और समाज में स्वास्थ्य-संस्कृति को बढ़ावा देता है।

महिलाओं की खेलों में भागीदारी, सीमावर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुविधाएँ, मादक द्रव्यों के सेवन के विरुद्ध खेल-आधारित पहल तथा पैरा-एथलीटों और पारंपरिक खेलों को समर्थन ये सभी पहल खेल को समावेशी सामाजिक परिवर्तन के माध्यम में बदलेंगी।

पारंपरिक खेलों को आधुनिक खेल पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ना सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के बीच एक सार्थक सेतु बनेगा। इससे भारत की खेल पहचान केवल वैश्विक मानकों को अपनाने वाली नहीं बल्कि अपनी परंपराओं को आधुनिकता के साथ जोड़ने वाली बनेगी।

किसी खिलाड़ी को उत्कृष्टता के स्तर तक पहुँचाने में प्रशिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी दृष्टिकोण से राष्ट्रीय कोच प्रत्यायन बोर्ड जैसी व्यवस्था कोचिंग योग्यताओं के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। अब भविष्य का प्रशिक्षक केवल तकनीक सिखाने वाला प्रशिक्षक नहीं बल्कि खेल विज्ञान, पोषण, मनोविज्ञान, डेटा, प्रदर्शन विश्लेषण और खिलाड़ी कल्याण की समझ रखने वाला विशेषज्ञ होगा।

वर्तमान खेल केवल प्रतिभा और परिश्रम पर निर्भर नहीं है। आज स्पोर्ट्स साइंस, डेटा एनालिटिक्स, पोषण, रिकवरी, मनोविज्ञान, प्रदर्शन विश्लेषण और आधुनिक तकनीक खिलाड़ी की सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। एकीकृत डिजिटल खेल मंच की परिकल्पना इस परिवर्तन को और गति देगी। प्रतिभा पहचान, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, खिलाड़ी का प्रदर्शन, खेल अवसंरचना और एथलीट सहायता एक डिजिटल व्यवस्था से जुड़े हों तो निर्णय अधिक डेटा-आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाए जा सकेंगे। इससे भविष्य का खिलाड़ी केवल मैदान पर मेहनत नहीं करेगा बल्कि विज्ञान और तकनीक उसके प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाने में साथ देंगे।

नई खेलो इंडिया योजना का प्रभाव केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं रहेगा। यह भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ी हुई योजना है। यह योजना वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों से लेकर भविष्य के ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की आकांक्षा तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प तक, खेल भारत की वैश्विक पहचान को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

एक ऐसा भारत, जहाँ गाँव का प्रतिभाशाली बच्चा अपने सपने को केवल सपना न समझे बल्कि उसके पास उसे पूरा करने का स्पष्ट मार्ग हो जो उसे वैश्विक मंच तक पहुँचने का माध्यम बनें। यह केवल खेल नीति नहीं बल्कि भारत के युवाओं के सामर्थ्य को पहचानने, उसे अवसर देने और राष्ट्र निर्माण की शक्ति में बदलने का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की यह नई खेल यात्रा पदक जीतने के साथ खेल शक्ति से युवा शक्ति और युवा शक्ति से विकसित भारत के निर्माण की यात्रा बनेगी।

हर्षोल्लास से रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होंगे अनेक आयोजन

भोपाल में 7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह सहित प्रदेशभर में होंगे आयोजन

भोपाल (निज संवाददाता)। रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न आयोजन होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,महिला एवं बाल विकास,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा,पर्यटन,जेल,गृह, पशुपालन,जनजातीय कार्य विभाग सहित कमिश्नर और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए है।

रक्षाबंधन पर्व पर आयोजन : सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त, 2026 को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार कर जल, प्रकृति और पर्यावरण से गहन संबंध के रक्षण का संकल्प एवं आह्वान के लिए विभिन्न वर्ग को जोड़ने के लिए एक राखी एक संकल्प, रक्षासूत्र एक राखी एक रिश्ता, पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियाँ जनसहभागिता के साथ आयोजित की जायेगी। छात्रों के लिए स्कूलों में प्रकृति की रक्षा के लिए कहानी, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में प्रसंग के अनुरुप आयोजन होंगे।

बलराम कृषि महोत्सव पर आयोजन : बलराम जयंती 2 सितम्बर 2026 के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कलारुपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक आयोजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितम्बर 2026 को प्रदेशभर में भव्य स्तर पर मनायी जायेगी। जन्माष्टमी बाललीला का पर्व है, इसीलिए बच्चों को विशेष रूप से आयोजनों से जोड़ने के लिए स्कूलों में मटकी प्रतियोगिता, बांसुरी प्रतियोगिता, जीवंत झांकी निर्माण, श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंगों पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर विशेष प्रस्तुति स्कूलों में आयोजित होगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रत्येक जिले में कृष्ण मंदिरों,मठों, देवालयों का विशेष श्रृंगार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता अभियान, मटकी सज्जा प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्थानीय कलाकारों द्वारा बांसुरी वादन, भजन गायन, झांकी ('कृष्ण जन्म', 'वृंदावन', 'गोवर्धन पूजा', 'गीता उपदेश' जैसी जीवंत झांकियाँ, दीप-प्रज्वलन एवं सामुहिक आरती जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी।

प्रदेश के लगभग 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भजन, कीर्तन व अन्य भक्तिमय कार्यक्रम के लिए कलादल,भजन मंडलियों,सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुति के लिए कलादल श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, भोपाल के द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित कर प्रस्तुति करायी जायेगी।

मुख्यमंत्री निवास में 4 सितम्बर को होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुख्यमंत्री निवास पर 4 सितम्बर 2026 को आयोजित कार्यक्रम में भक्ति गायन, लोकनृत्य एवं मटकी फोड कार्यक्रम एवं 1000 से अधिक छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर परिजन सहित आमंत्रित किया जायेगा। इस अवसर पर माखन-मिश्री, लड्डू गोपाल एवं श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप तथा विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से दी गई शिक्षा पर केन्द्रित साहित्य बच्चों को भेंट किये जायेगी।

29 अगस्त से 04 सितम्बर (सप्ताह) में बच्चों के लिए विशेष पोषण तथा स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं प्राथमिक शालाओं में जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों के विशेष पोषण के लिए भोजन व्यवस्था करायी जाएंगी।

भोपाल में 7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह सहित प्रदेशभर में होंगे आयोजन : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय होटलों में ऐसे वातावरण का निर्माण करने के प्रयास होंगे जिससे पर्यटकों को आस्था का अनुभव कराया जा सके। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भोपाल में 7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह का आयोजन एवं श्रीकृष्ण से जुड़े हुए विशेष स्थलों यथा जानापाव इंदौर, अमझेरा धार और गोपाल मंदिर, उज्जैन, सांदीपनि आश्रम, नारायणा, जामगढ़ रायसेन, खातेगांव देवास, पन्ना, शहडोल, उमरिया, मंडला, राघौगढ़ (गुना), भितरवार (ग्वालियर), जावद (नीमच), मल्हारगढ़ (मंदसौर) आदि स्थानों पर जनप्रतिनिधियों मंत्री, सांसद, विधायक आदि के नेतृत्व में स्थलों से जुड़े प्रसंगों के मूल स्वरुप के भाव का विस्तार के लिए विशिष्ट सांस्कृतिक आयोजन किया जायेगा। जिला जेल में भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित किये जायंगे। भगवान श्रीकृष्ण के विविध प्रसंग एवं आख्यानों के अनुरुप शिक्षा संस्कति कृषि गौशाला आदि में कार्यक्रम होंगे।

छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं में होंगी कृष्णमय गतिविधियां : जनजातीय क्षेत्र के छात्रावासों/आश्रम शालाओं को भी भजन प्रतियोगिता, श्रीकृष्ण वेशभूषा, चित्रकला आदि आयोजन होंगे। साथ ही जनजातीय एवं ग्राम संस्कृति से जुड़े हुए प्रसंगों एवं आख्यानों यथा जनजातीय वर्ग द्वारा बांसुरी वादन, साज-सज्जा में मोरपंख का उपयोग जैसे प्रतिमानों के महत्व एवं महात्म के विस्तार के लिए गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। प्रदेश के गौशालाओं में साफ-सफाई, गौपूजन, गौ-रक्षासूत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

कावंड यात्राओं में जनसुविधाओ एवं सुरक्षा की व्यवस्था : भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े हुए विविध प्रसंगों एवं आख्यानों के वास्तविक भाव के लोकव्यापीकरण एवं स्थानों के महत्व अनुरुप कार्यक्रमों का संयोजन कराया जायेगा। श्रावण मास में होने वाली कांवड्यात्रा में कावडियों के आने-जाने के मार्ग पर जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा की व्यवस्था के साथ दुर्घटना के रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही विशेष रूप से सुनिश्चित की जायेगी।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विद्यार्थियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले स्कूल वैन चालक पर प्रकरण दर्ज, भेजा जेल

स्कूल संचालक के विरुद्ध भी मामला दर्ज, वैन जब्त

मुख्यमंत्री के निर्देश पर देवास में त्वरित कार्रवाई

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में रेलवे अंडरपास में जलभराव के दौरान बैरिकेड हटाकर स्कूल वैन निकालने और विद्यार्थियों की जान जोखिम में डालने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापरवाह मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, साथ ही स्कूल संचालक के विरुद्ध भी वैधानिक प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार 25 अगस्त को देवास के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित रेलवे अंडरब्रिज में भारी वर्षा के कारण जलभराव होने पर पुलिस द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से स्टॉपर लगाकर आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। इसके बावजूद सिटी कॉन्वेंट स्कूल के मैजिक वाहन चालक ने स्टॉपर हटाकर वाहन को पानी में उतार दिया। वैन पानी में बंद होने पर चालक बच्चों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों, डायल-112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी के सहारे सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

कड़ी कानूनी धाराओं में प्रकरण दर्ज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार देवास कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद द्वारा तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की गई। थाना सिविल लाइन देवास में आरोपी चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 285 एवं मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में अपराध क्रमांक 465/2026 दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया तथा वाहन जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा मानकों और चरित्र सत्यापन संबंधी दिशा-निर्देशों की अनदेखी करने पर स्कूल संचालक के विरुद्ध भी बीएनएस की धारा 223 के तहत अपराध क्रमांक 467/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रशासन एवं पुलिस ने सभी स्कूल प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिये है कि वे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ वाहनों की फिटनेस, परमिट और चालकों के पुलिस सत्यापन का कार्य पूर्ण रखें। किसी भी परिस्थिति में जलभराव वाले मार्गों या पुल-पुलियों से वाहन न निकालने के कड़े निर्देश चालकों को दिए जाएं; नियमों की अनदेखी पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में अब तक कोटे का 68 प्रतिशत गिरा पानी, 3 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, 26 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश में मानसूनी सीजन के दौरान अब तक औसतन 25.5 इंच बारिश हो चुकी है, जो पूरे सीजन के सामान्य कोटे का करीब 68 प्रतिशत है। हालांकि सामान्य से अब तक 11 प्रतिशत कम बारिश हुई है। प्रदेश के 40 जिलों में औसत से कम पानी गिरा है, जबकि 15 जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। आज बुधवार को 3 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, पिछले एक सप्ताह से पूर्वी मध्य प्रदेश में सक्रिय मानसून अब उत्तर, पश्चिम और मध्य हिस्सों में ज्यादा सक्रिय होगा। अगले दो दिन भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग में तेज बारिश का दौर रहने की संभावना है। बुधवार को मौसम विभाग ने भिंड, दतिया और सागर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में ढाई इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। इसके अलावा ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, आगर-मालवा, उज्जैन, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, दमोह, मैहर और सिवनी में भारी बारिश की चेतावनी है।

इन जिलों में भी होगी बारिश

भोपाल, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, नीमच, मंदसौर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, मुरैना, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, पांढुर्णा, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

अगले तीन दिन सक्रिय रहेगा सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदेश में मौसम सिस्टम की एक्टिविटी बनी हुई है। इसके प्रभाव से बारिश का दौर जारी है। अगले तीन दिन तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 648.7 मिमी यानी 25.5 इंच बारिश हुई है। इस अवधि तक सामान्य बारिश 727.9 मिमी यानी 28.6 इंच होनी चाहिए थी। इस तरह प्रदेश में सामान्य से करीब 3.1 इंच कम पानी गिरा है। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 7 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 14 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

40 जिलों में 3 से 50 प्रतिशत तक कम बारिश

पूर्वी हिस्से के जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में सामान्य से 19 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है। बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सिवनी, टीकमगढ़ और डिंडौरी समेत कई जिलों में 3 से 50 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है।

पश्चिमी हिस्से के आगर-मालवा, आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, दतिया, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, मुरैना, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, रायसेन, रतलाम, खंडवा, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा में सामान्य से 2 से 49 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। जबकि अनूपपुर, डिंडौरी, निवाड़ी, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, गुना, ग्वालियर, खरगोन और राजगढ़ में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

किसानों की आवाज बनकर सरकार और संगठन के बीच सेतु बने किसान मोर्चा: हेमंत खंडेलवाल

- भाजपा के तीन मोर्चों की बैठक में हेमंत खंडेलवाल ने साधा संगठन विस्तार पर जोर

भोपाल, 26 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में अनुसूचित जाति मोर्चा, किसान मोर्चा और युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों की जिम्मेदारी केवल संगठन को मजबूत करना नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी है।

हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों से लगातार संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें और पात्र हितग्राहियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना और संगठन तथा जनता के बीच मजबूत सेतु बनाना भाजपा कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए।

कांग्रेस पर अंबेडकर के अपमान का आरोप

अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक में खंडेलवाल ने कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बाबा साहब के विचारों और संविधान के प्रति सम्मान को प्राथमिकता देती है। उनके अनुसार, भाजपा सरकारों ने गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 के बाद हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकारों के कार्यकाल में बिजली, सड़क और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से ऐसे गांवों को भी मुख्य मार्गों से जोड़ा गया, जो पहले आवागमन की बेहतर सुविधाओं से वंचित थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर चल रहे समरसता संकल्प अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि संत रविदास के विचार सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक को अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने भी संबोधित किया। मोर्चा प्रभारी मनोरंजन मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे।

किसान मोर्चा किसानों की आवाज बने : किसान मोर्चा की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान वर्ष घोषित किया है। ऐसे में किसान मोर्चा की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझने और सरकार तथा संगठन तक उनकी बात पहुंचाने को कहा। हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि किसान मोर्चा सरकार और किसानों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। किसानों तक योजनाओं, निर्णयों और उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भी मोर्चा को सक्रिय रहना होगा। उन्होंने सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2003 से पहले प्रदेश में सिंचाई का रकबा करीब साढ़े सात लाख हेक्टेयर था, जो भाजपा सरकारों के कार्यकाल में बढ़कर करीब 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित किसानों से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से इनके बारे में किसानों को तथ्यात्मक जानकारी देने को कहा। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि किसानों को उनकी उपज के बेहतर बाजार और मूल्य उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। किसान मोर्चा को गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद बढ़ाना चाहिए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठनात्मक स्तर पर प्रभावी पहल करनी चाहिए। बैठक को किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने भी संबोधित किया। इस दौरान मोर्चा प्रभारी मनोरंजन मिश्रा सहित प्रदेश उपाध्यक्ष और महामंत्री मौजूद रहे।

युवाओं तक तथ्यों के साथ पहुंचें कार्यकर्ता : युवा मोर्चा की बैठक में खंडेलवाल ने कहा कि युवा देश और प्रदेश का भविष्य हैं। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को युवाओं के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित कर उन्हें संगठन और सरकार के कार्यों की तथ्यात्मक जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में युवाओं तक सही और प्रमाणित जानकारी पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आंकड़ों और तथ्यों के आधार पर सरकार की उपलब्धियां युवाओं के सामने रखें तथा उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास करें। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार रोजगार, निवेश, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, स्वरोजगार के साथ सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में काम कर रही हैं। युवा मोर्चा इन योजनाओं और उपलब्धियों को युवाओं तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाए।